राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शनिवार, 17 दिसंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 357 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

स्वाति मालीवाल ने लोकसभा और राज्यसभा को लिखा पत्र, महिला सुरक्षा को लेकर चर्चा की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली में हुए निर्भया गैंगरेप केस को 10 साल बीतने के बाद भी राजधानी दिल्ली में हालात में अधिक अंतर नहीं आया है। इसी बीच निर्भया कांड की 10वीं बरसी पर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) को पत्र लिखा है। स्वाति मालीवाल ने पत्र के जरिए मांग की है कि संसद में महिला सुरक्षा पर चर्चा की जाए। जानकारी के मुताबिक स्वाति मालीवाल ने लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के उपसभापति को पत्र लिखकर ये मांग की है। उन्होंने कहा कि संसद के दोनों सदनों में चर्चा करने के लिए संसदीय कार्यों को स्थगित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 10वर्षों के बाद भी महिलाओं की

सुरक्षा को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए है।

उन्होंने लिखा कि निर्भया कांड को 10 वर्षों का समय बीत चुका है। अब तक देश में लड़कियों के खिलाफ अपराधों पर लगाम नहीं लगी है, बल्कि इनकी संख्या बढ़ती जा रही है। दिल्ली के आंकड़ों का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा कि यहां हर रोज 6 मामले दर्ज हो रहे है। भारत में वर्तमान में आलम ये हो गया है कि 8 महीने की बच्ची और 90 वर्ष की बुजुर्ग महिला के साथ भी घिनोना अपराध हो रहा है। बता दें कि 16 दिसंबर 2012 को दिल्ली में 23 वर्षीय पैरामेडिकल की छात्रा के साथ चलती बस में बलात्कार किया गया था। इसके बाद 13 दिनों तक निर्भया ने जीवन और मौत के बीच की जंग लड़ी थी, जिसके बाद 29 दिसंबर को उसने दम तोड़ दिया था। ये ऐसी घटना थी जिसने ना सिर्फ देश के हर नागरिक को झकझोर दिया था बल्कि विदेशों में इसकी निंदा की गई थी। **आरोपियों को हुई थी सजाः** बता दें कि इस मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। एक आरोपी नाबालिग था जिसे जुवेनाइल एक्ट के तहत रिहैब में भेजने के बाद रिहा कर दिया गया था। वहीं एक आरोपी ने जेल में रहने के दौरान ही फांसी लगा ली थी। इसके बाद अन्य चार आरोपियों को फांसी दी गई थी।

हाल ही में हुआ है तेजाब कांड

राजधानी में एक नाबालिग लड़की पर तेजाब से हमला किया गया था। 12वीं कक्षा की छात्रा पर बाइक सवार युवकों ने हमला किया था। हमले के समय छात्रा अपनी छोटी बहन के साथ थी। हमले के बाद 12वीं की छात्रा का चेहरा बुरी तरह झुलस गया है। छात्रा का इलाज सफदरजंग अस्पताल में किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक ये मामला दिल्ली के द्वारका मोड़ इलाके का है। यहां लड़की अपनी बहन के साथ जा रही थी तभी उसपर हमला हुआ है। दिल्ली पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के दिल्ली के मोहन गार्डन इलाके की घटना है।

प्रधानमंत्री ने जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की, कहा देश उनका ऋणी रहेगा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को विजय दिवस के अवसर पर 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले सशस्त्र बल के कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि देश सदैव उनका ऋणी रहेगा। मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ''विजय दिवस पर, मैं उन सभी बहादुर सशस्त्र बलों के कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने 1971 के युद्ध में भारत की एक असाधारण जीत सुनिश्चित की। देश को सुरक्षित रखने में सशस्त्र बलों की भूमिका के लिए देश उनका ऋणी रहेगा।'' वर्ष 1971 में पाकिस्तान

पर भारत की विजय की याद में आज के दिन विजय दिवस मनाया जाता है। इस दिन वर्ष 1971 में पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी ने अपने 93 हजार सैनिकों के साथ बिना किसी शर्त के लेफ्टीनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के समक्ष युद्ध में आत्मसमर्पण किया था। अरोड़ा इस युद्ध में भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के संयुक्त बल का नेतृत्व कर रहे थे। इसी युद्ध के परिणाम स्वरूप बांग्लादेश अस्तित्व में आया।

100 Days of Bharat jodo Yatra: भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिन पूरे, जयपुर में म्यूजिक इवेंट, राजस्थान में राहुल की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस

नई दिल्ली। यात्रा के दौरान लगभग 2,600 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिन पूरे किए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ आज सुबह करीब 6 बजे राजस्थान के मीना हाईकोर्ट, दौसा से यात्रा फिर से शुरू की। भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिनों का जश्न मनाते हुए, कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट ने अपनी प्रदर्शन तस्वीर (डीपी) को ष्यात्रा के 100 दिनष् में बदल दिया। यात्रा मीना हाईकोर्ट से शुरू होकर सुबह करीब 11 बजे गिरिराज धरण मंदिर पर विराम लिया।

राहुल की राजस्थान में प्रेस कॉन्फ्रेंसः जयपुर में कांग्रेस कार्यालय में शाम करीब 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद राहुल गांधी लाइव कॉन्सर्ट में शिरकत करेंगे। आज जयपुर के नए पीसीसी ऑफिस में राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी है। राजस्थान में राहुल गांधी की यह पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी।

कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिनों का जश्न मनाने के लिए शाम करीब 7 बजे अल्बर्ट हॉल में लाइव परफॉर्मेंस के साथ शुक्रवार को जयपुर में एक कॉन्सर्ट की योजना बनाई है। राजस्थान में शुक्रवार को भारत जोड़ो यात्रा का 12वां दिन है। दौसा राज्य का पांचवां जिला है जहां भारत जोड़ो यात्रा ने प्रवेश किया है।

कांग्रेस शासित राज्य में राहुल की यात्राः यात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई। भारत जोड़ो यात्रा ने राजस्थान में प्रवेश करने से पहले अब तक तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश को कवर किया है। यात्रा राजस्थान को कवर करने के बाद 21 दिसंबर को हरियाणा में प्रवेश करेगी। राजस्थान एकमात्र कांग्रेस शासित राज्य है जहां भारत जोड़ो यात्रा प्रवेश कर चुकी है और 21 दिसंबर को हरियाणा में प्रवेश करने से पहले 17 दिनों में लगभग 500 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा भारत 2025 के अंत तक क्षय रोग से मुक्त हो जाएगा

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख

मांडविया ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि सरकार की तरफ से क्षय रोग (टीबी) के खिलाफ जिस स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है और लोगों की इसमें जिस तरह की भागीदारी हुई है, उसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि देश 2025 के आखिर तक इस बीमारी से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह टिप्पणी की। मांडविया ने कहा, ''भारत में स्वास्थ्य कोई कारोबार नहीं, बल्कि सेवा है। हमने क्षय रोग मुक्त कराने का अभियान शुरू किया है। मरीजों को सरकार की ओर से दवा मुफ्त दी जाती है, आर्थिक मदद की जाती है।'' उन्होंने बताया,''क्षय रोग के मरीजों को पोषक आहार और उचित देखभाल मिले, इसके लिए हमने एक पोर्टल शुरू किया और लोगों का आह्वान किया कि वे टीबी के मरीजों को गोद लें। सिर्फ 14 दिनों में 44 हजार लोग सामने आए और 12 लाख मरीजों को गोद ले लिया।'' मंत्री का कहना था कि राज्यपाल, विधायक, सांसद और एनजीओ के लोग नियमित रूप से मरीजों से मिलते हैं और उनकी स्थिति के बारे में पूछते हैं। उन्होंने कहा, ''हमने प्रयास किया है और हमें सफलता मिली है। इसके आधार पर मैं यह कह सकता हूं कि 2025 के अंत तक भारत टीबी मुक्त हो जाएगा।'' मांडविया ने सांसदों का आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्रों में क्षय रोग के मरीजों की उचित देखभाल के लिए उन्हें गोद लें और गोद लिए जाने की व्यवस्था करें ताकि इस बीमारी से लोगों की मौत नहीं हो।

विधानसभा में फिर बोले नीतीश–

जो पिएगा, वह मरेगा, शराब से मौत पर कोई मुआवजा नहीं

पटना। बिहार के सारण में जहरीली शराब पीने से लगभग 58 लोगों की मौत हो गई है। इस

मामले को लेकर भाजपा जबरदस्त तरीके से नीतीश कुमार और उनकी सरकार पर हमलावर है। आज नीतीश कुमार ने विधानसभा में भी इस मामले को लेकर बयान दिया। उन्होंने एक बार फिर से कहा है कि जो शराब पिएगा, वह मरेगा। साथ ही साथ नीतीश कुमार ने इस बात को भी दोहराया है कि शराब से मौत पर कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जो पिया था, वह मर गया। जो गड़बड़ करेगा, वह मरेगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि जहरीली शराब पर कोई संवेदना नहीं। किसी भी धर्म में शराब पीना ठीक नहीं है।

बिहार के मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि हम महात्मा गांधी के दिखाए हुए रास्ते पर चल रहे हैं। दूसरे राज्यों में भी जहरीली शराब पीने से मौत हो रही है। उन्होंने मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश का उदाहरण भी दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शराबबंदी कानून की तारीफ की थी। आपको बता दें कि शराब से हुई मौतों को लेकर भाजपा नीतीश सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। भाजपा की ओर से आज राजभवन तक मार्च निकाला जा रहा है। दूसरी ओर गुरुवार को भाजपा में भारत में मार्च निकाला था और नीतीश कुमार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा था। भाजपा का दावा है कि नीतीश कुमार का शराबबंदी कानून पूरी तरीके से विफल है। विधानसभा में भी भाजपा ने इस मुद्दे को लेकर खूब हंगामा किया है। इससे पहले नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा था कि जहरीली शराब से शुरू से लोग मरते हैं, इससे अन्य राज्यों में भी लोग मरते हैं। लोगों को सचेत रहना चाहिए क्योंकि जब शराब बंदी है तो खराब शराब मिलेगी ही। जो शराब पियेगा वो मरेगा। इस पर पूरी तरह से एक्शन होगा। उन्होंने कहा था कि मैंने अधिकारियों को कहा है कि गरीबों को न पकड़ें जो लोग इसका व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें पकड़ें। शराब बंदी कानून से कई लोगों को फायदा हुआ है कई लोगों ने शराब छोड़ दी है।

काशी तमिल संगमम का समापन समारोह

योगी ने काशी को बताया भारत की आध्यात्मिक राजधानी, अमित शाह ने कही ये बात

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी तमिल संगमम के समापन समारोह में हिस्सा लिया।

उरू उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान कहा कि त्तर प्रदेश भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है और तमिलनाडु भी इन सभी समानताओं को लेकर कला, संस्कृति, ज्ञान की उस प्राचीनतम परंपराओं का नेतृत्व करता है। इन दोनों परंपराओं का काशी तमिल संगमम के माध्यम से अद्भुत संजोग एक नए संगम का निर्माण करता है जो एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज पीएम मोदी के काशी तमिल संगमम् की कल्पना की पूर्णाहुति होने जा रही है। ये भारतीय संस्कृति के दो उटुंग शिखर तमिलनाडु की संस्कृति, दर्शन, भाषा, कला, ज्ञान और विश्व में जिसकी मान्यता है ऐसी काशी की सांस्कृतिक विरासत के मिलन की शुरुआत है।

दिल्ली में टीचर की हैवानियत आई सामने, 5वीं कक्षा की बच्ची पर कैंची से हमला कर पहली मंजिल से फेंका

नई दिल्ली। दिल्ली के नगर निगम स्कूल में एक शिक्षक की हैवानियत की जानकारी मिली है। शिक्षक छात्रों के भविष्य को बनाने का काम करते हैं। इसलिए शिक्षक को धैर्यवान और विनम्र रहना काफी अहम होता है। छात्रों के भविष्य को मजबूत बुनियाद देने वाले शिक्षक अगर कोई एक गलती भी कर दें तो छात्र का जीवन पूरा खराब हो सकता है। ऐसे में अगर कोई शिक्षक हैवान बन जाए तो छात्रों का भविष्य अंधकार में लटक जाता है। ये कहना गलत नहीं होगा कि स्कूल में पढ़ने वाली उम्र में बच्चे काफी मासूम होते है, बिलकुल मिट्टी के बर्तनों की भांति नाजुक। उन्हें अच्छे संस्कार और सीख दी जाए तो छात्र देश के भविष्य में अहम योगदान दे सकते है। इस अवस्था में अगर छात्र के साथ किसी तरह का दुर्व्यवहार

हो जाता है तो उसके भोले मन पर इसका काफी गहरा असर होता है। ऐसा ही एक मामला दिल्ली के नगर निगम स्कूल में सामने आया है। यहां एक शिक्षक ने बच्ची को पहली मंजिल से नीचे फेंक दिया है। जानकारी के मुताबिक ये मामला रानी झांसी रोड के पास मॉडल बस्ती के सामने दिल्ली नगर निगम स्कूल का है। स्कूल शिक्षक की हैवानियत ने हर किसी को हैरान कर दिया है। घायल छात्रा को बाड़ा हिंदू राव अस्पताल इलाज के लिए ले जाया गया है। बच्ची का इलाज जारी है और वो खतरे से बाहर है। जानकारी के मुताबिक दिल्ली पुलिस को सूचना मिली थी कि देशबंधु गुप्ता रोड थाने के बीट ऑफिसर को लोगों ने सूचित किया कि नगर निगम की स्कूल टीचर ने एक बच्ची को पहली मंजिल से फेंक दिया है। सूचना मिलने पर एसएचओ टीम के साथ स्कूल पहुंचे और स्थिति अपने नियंत्रण में ली।

पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर आरोपी शिक्षक गीता

डीसीपी ने दिया ये बयान

इस मामले पर सेंट्रल दिल्ली की डीसीपी श्वेता चौहान ने बयान दिया कि मॉडल बस्ती में प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका ने एक छात्रा को कैंची से मारा। इसके बाद छात्रा को पहली मंजिल से नीचे फेंक दिया। हमने कार्रवाई करते हुए शिक्षिका को गिरफ्तार कर दिया है। फिलहाल बच्ची सुरक्षित है।

भारतीय पराक्रम की नई इबारत लिख गया 16 दिसंबर 1971

13 दिन, 93000 हजार पाकिस्तानी सैनिकों का भारत के सामने समर्पण, और एक नए देश बांग्लादेश का उदय, ऐसा था भारतीय पराक्रम

दिलीप श्रीवास्तव/
दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। 16 दिसंबर 1971, भारतीय इतिहास का वो स्वर्णिम दिन है जब पूरी दुनिया ने भारतीय शौर्य और पराक्रम को देखा था। 1947 में देश को आजादी मिलने के महज 25 साल के अंदर भारत ने 4 लड़ाईयाँ लड़ीं, 1948 में पाकिस्तानी कबाईलियाँ से, 1962 में विश्वासघाती चीन से, 1965 में पाकिस्तान से और फिर 1971 में पाकिस्तान से ही। भारत पूरे विश्व का संभवतः एकमात्र ऐसा देश है जिसने आजादी के बाद इतने कम समय में 4 लड़ाईयाँ लड़ी। 16 दिसंबर 1971 को पूरे विश्व ने भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस को देखा तो साथ ही भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी की नीतियों का लोहा भी माना। 3 दिसम्बर 1971 को शुरू हुआ ये युद्ध महज 13 दिनों में भारतीय सेना ने विजय हासिल करके खत्म कर दिया। इस युद्ध में पाकिस्तानी जनरल नियाजी ने अपने 93000 हजार सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण के दस्तावेज पर दस्तखत किया। दस्तखत करने से पहले पाकिस्तानी जनरल नियाजी ने अपना बैज उतार कर मेज पर रख दिया और अपनी रिवाल्वर लेफ्टिनेंट जनरल जगदीश अरोड़ा के हवाले कर दिया, फिर सभी पाकिस्तानी सैनिकों ने अपनी बन्दूखें जमीन पर रख कर अपने घुटने टेक दिये। इसी दिन एक नए देश बांग्लादेश का उदय हुआ द्यविश्व के इतिहास में महज 13 दिनों में एक नया देश बना कर उसको मान्यता दिलवा देने का गौरव संभवतः सिर्फ और सिर्फ भारत को हासिल है। इस विजय दिवस के

बारे में जब हमने डुमरियागंज क्षेत्र के युवाओं से बात की तो उनका सीना भी गर्व से चौड़ा हो गया द्यअखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुगंध अग्रहरि कहते हैं कि 1971 का युद्ध भारत ने विपरीत परिस्थितियों में रहने के बावजूद जीता था, 1971 से पहले हम 1965 में भी पाकिस्तान को हरा चुके थे इतने कम समय में युद्ध लड़ना और महज 13 दिनों में पाकिस्तान के 93000 सैनिकों से आत्म समर्पण करवा कर एक नए देश के रूप में बांग्लादेश को स्थापित करना ये सिर्फ और सिर्फ भारतीय सैनिक ही कर सकते थे,ऐसे वीर सैनिकों को शत शत नमन द्यबढ़नी चाफा में अपनी मेडिकल शॉप चला रहे सुजीत ने भी कहा कि जब भी 16 दिसम्बर का दिन आता है, हम अपने साथियों के साथ भारतीय सैनिकों के गौरवशाली इतिहास के बारे में चर्चा करते हैं और अपने शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। सुजीत अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं कि भारतीय सैनिकों का पराक्रम पूरा विश्व आजादी के बाद से ही देखता आ रहा है। चाहे 1948 का युद्ध हो 1962,1965 या 1971 का युद्ध हो या फिर आज का समय हो, हमें अपने सैनिकों के पराक्रम पर गर्व है। नेबुआ के रहने वाले अमित श्रीवास्तव भी बताते हैं कि आजादी के बाद से ही भारतीय सैनिकों ने सब जगह अपना लोहा मनवाया 1962 के युद्ध को हम छोड़ दें जहां ना सिर्फ हमारे साथ धोखा हुआ था बल्कि उस समय हमारे प्रधानमंत्री के सही समय पर निर्णय ना ले पाने के कारण हम हारे, उसके बाद 1965 और 1971 में हमारे सैनिकों ने दिखा दिया कि भारतीय सैनिक क्या कर सकते हैं। हमें कारगिल भी नही भूलना चाहिए जहां दुश्मन देश ऊंचाई पर था उसके बाद भी भारतीय सैनिकों ने जीत हासिल की। 16 दिसंबर का दिन हमारे लिए गर्व की अनुभूति कराने वाला दिन है, हमें गर्व है अपने वीर सैनिकों पर,जय हिन्द।

कार्यकर्ताओं के मेहनत के बल पर ही भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी: राघवेन्द्र प्रताप सिंह

प्रदेश के सभी निकायों में एक तरफा जीत हासिल करेगी भाजपा: जिलाध्यक्ष गोविन्द माधव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। पूर्व

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को दोपहर में डुमरियागंज भाजपा मण्डलध्नगर पंचायत द्वारा कार्यकर्ता सम्मान भोज का आयोजन ठाकुर द्वारा मन्दिर प्रांगण में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिला प्रभारी भाजपा सिद्धार्थनगर राम जियावन मौर्या तथा विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष गोविंद माधव ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर श्रद्धा पुष्प अर्पित करने के उपरांत हुई। पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने आए हुए अतिथियों को शाल पहनाकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि राम जियावन मौर्य ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनसंपर्क का कार्य शुरू कर दिया जाएं, सभी मतदाताओं से संपर्क किया जाए। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार व योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सेवा,सुशासन और गरीब कल्याण के प्रति संकल्पित हैं। भाजपा सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों में सेवा एवं गरीब कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में देशवासियों ने अनुभव किया है एवं उनके प्रति समाज के सभी वर्गों में व्यापक जन समर्थन प्राप्त हैं। उसी समर्थन के बल पर निकाय चुनाव में भाजपा विजय प्राप्त करेगी। विशिष्ट अतिथि गोविंद माधव ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी अपने अनुशासित कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और गतिशीलता के दम पर पिछले सभी रिकार्डों को तोड़ते हुए पूरे प्रदेश में सभी निकायों में पार्टी एक तरफा जीत का परचम फहराएगी। पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में आए हुए पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सभी जिम्मेदार अपने कार्य में लग जाए कोई भी परिवार व वोटर जनसंपर्क में छूटने ना पाए, सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता जी जान से जुट जाएं। उन्होंने कहा कि जमीन स्तर पर जुड़े कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण ही भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। कार्यकर्ताओं और उनकी लगन व मेहनत के बिना किसी भी मुकाम को हासिल करना मुश्किल है। हर कार्यकर्ता पार्टी के लिए अहम भूमिका निभाता है। भाजपा का हर कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से पार्टी की सेवा कर रहा है। उन कार्यकर्ताओं को देखकर सिर गर्व से ऊंचा हो जाता है और अपने देवतुल्य कार्यकर्ताओं के बल पर निकाय चुनाव में भाजपा अपना परचम लहराएगी। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष नीरज मणि त्रिपाठी ने किया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष रामकुमार कुँवर, लवकुश ओझा, नरेंद्रमणि त्रिपाठी आदि ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में अंत में मण्डल अध्यक्ष अमरेंद्र त्रिपाठी ने कार्यक्रम में आए हुए पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की और सभी से निकाय चुनाव में मेहनत से जुट जाने व भाजपा के पक्ष में वोट डलवाने के लिए अनुरोध किया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक सम्मान सहभोज का आयोजन हुआ जिसमें सभी ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान विजय कांत चतुर्वेदी, अजय उपाध्याय, अमरेंद्र त्रिपाठी, विनय पाठक, रमेश धर द्विवेदी, उदय शंकर श्रीवास्तव, राजकुमार चौधरी, राजीव कुमार, शत्रुहन सोनी, मधुसूदन अग्रहरि, अशोक अग्रहरि, रमेश सोनी, आशीष श्रीवास्तव एडवोकेट, धर्मेन्द्र अग्रहरि, अजय अग्रहरि, कमलेंद्र त्रिपाठी, अर्जुन विश्वकर्मा आदि सहित भारी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

गोंड समुदाय, धुरियाँ समुदाय के लिए ऐतिहासिक पल: सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद जगदंबिका पाल

ने शुक्रवार को शून्यकाल के दौरान उत्तर प्रदेश में होने वाले नगर निगम चुनावों में गोंड समुदाय के साथ साथ जनजातीय समुदाय को आरक्षण देने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा है कि भारत के दोनों सदनों सैंज् (फर्स्ट) संशोधन बिल को पारित कर दिया गया है जो कि गोंड समुदाय, पठारी समुदाय और धुरियाँ समुदाय के लिए ऐतिहासिक पल है। सांसद ने आगे कहा की चाहें महापुरुष कोमाराम भीम हो, संग्राम शाह हो या मोती रावण कंगाले हों, गोंड समुदाय के नेताओं के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। ये भारत के सबसे बड़े जनजातीय समूहों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आजादी के अमृत महोत्सव में 15 छवअमउइमत को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निश्चय लिया है। पूरे देश के हर राज्य में जनजातीय समूह के लोगों ने अपना योगदान दिया है। शुक्रवार को जिस तरह से हमारी सरकार ने 50 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल की स्थापना किया है, वह भी पूरे देश के एक–एक राज्यों के रहने वाले उन जनजाति लोगों के सम्मान और उनको देश की मुख्यधारा में लाने का काम है। शुक्रवार को जिस तरीके से चाहे वह मणिपुर के रानी ट्रेवल फ्रीडम मूवमेंट हो और समाज के लोग आज किस तरीके से मणिपुर के रानी एमपी ट्राईबल फ्रीडम मूवमेंट कि बात हो, हर जगह जनजातीय समुदाय का योगदान अतुलनीय है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के 13 जनपदों में गोंड समाज के लोगों को एसटी की श्रेणी में रखा गया। और अब इस विधेयक से जनपदों से अलग हुआ संत कबीर नगर, भदोही, चंदौली, कुशीनगर को एसटी ग्रुप में शामिल कर दिया गया है। उन्होने आगे कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश के नगर पालिकाओं में एसटी का आरक्षण था। परन्तु इस चुनाव में आरक्षण नहीं दिया जा रहा है। इसलिए वो संसद में मांग करते है कि उत्तर प्रदेश के होने वाले इस नगर पंचायत,नगर पालिका, नगर महापालिकाओं के चुनाव में जो पहले इन जनजातीय लोगों के लिए आरक्षण का प्रावधान था उसको संविधान के अनुच्छेद 243 में अधिकार के तहत उसको लागू किया जाए।

अभिभावक शिक्षक सम्मेलन से छात्रों में बढ़ती है जागरूकता: दिनेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

इटवा,सिद्धार्थनगर। खुनियाव विकास खंड अंतर्गत प्राथमिक

विद्यालय हरैया प्रथम के परिसर में अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश शर्मा ने कहा की ऐसे कार्यक्रमों से बच्चो के विकास की समुचित जानकारी मिल पाती है और उनका व्यक्तिगत मूल्यांकन भी हो जाता है अभिभावक के माध्यम से बच्चों की पारिवारिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है जो उनके शैक्षिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। हुमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया नामक संस्था और प्राथमिक विद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा की बच्चों की नियमित साफ सफाई करना अभिभावक की जिम्मेदारी होती है जिससे विद्यालय आने के प्रति छात्रों की जागरूकता बढ़े। कार्यक्रम में विद्यालय के विकास में अभिभावको से सुझाव मांगे गए जिससे बच्चों का रुझान पढ़ाई के प्रति बढ़ाया जा सके कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापक ने कहा की ऐसे कार्यक्रम जरूरत के अनुसार समय समय पर आयोजित कराए जाते रहेंगे। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सहायक अध्यापक अध्यापिका और संस्था के अजय कुमार उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रोग्रेस, नियमित साफ–सफाई और नियमित उपस्थिति को लेकर चर्चा की गई। अभिभावकों से उनके बच्चों के विषय में भी जानकारी ली गई। इस कार्यक्रम से अभिभावको ने विद्यालय के विकास में अपने अपने सुझाव व्यक्त किए।

समीक्षा बैठक में गिनाई सरकार की उपलब्धियाँ

कतिथ छुटभैया नेता पर कटाक्ष कर वार्ड समीक्षा बैठक में बोले सौरभ गुप्ता–भाई से भाई को लड़ाकर थाने की दलाली नही की, किसी की हत्या नही करवाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर।

सीमा विस्तारित क्षेत्र नीबी दोहनी में नगर अध्यक्ष बबिता कसौधन की अगुवाई में केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चल रहे प्रमुख योजनाओं एवं कराए गए कार्यो को लेकर वार्ड समीक्षा बैठक की गई। वार्ड समीक्षा बैठक में पूर्व लोकसभा समन्वयक व संघ पदाधिकारी राममिलन त्रिपाठी ने कहा कि 2022 नगर निकाय चुनाव 2024 के लोक सभा चुनाव को साधने का कार्य करेगा। उन्होंने प्रमुखरूप से नगर में मिल रहे खाद्यान्न, शौचालय, आवास सहित विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी। अन्य सरकारों को घेरते हुए कहा कि आगामी चुनाव में प्रत्याशियों की संख्या अधिक हो सकती है, लेकिन निर्णय आपको लेना है। आरक्षण देकर सरकार ने अपना धर्म निभाया है, जिस कारण शोहरतगढ़ नगर महिला पद हेतु आरक्षित है। जिसे भी भाजपा शीर्ष नेतृत्व प्रत्याशी बनाएगा वह हमारा कैंडिडेट होगा। साथ ही उन्होंने कमल फूल के पक्ष में मतदान करने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ प्रदेश सरकार और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ नगर को मिलता है। अपने कार्यकाल को याद कर उन्होंने कहा कि मैंने अपने कार्यकाल के दौरान खेतान स्कूल की नींव रखी, किराए के स्कूल से शुरु हुई सरस्वती विद्यालय की शिक्षा खुद के बिल्डिंग में आज इंटर तक कि शिक्षा दी जाती है। सैनिकों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश के सैनिक ने अपना परचम लहराया है। लालच में आकर किसी को वोट न करें, क्योंकि हम सब्जी नही इंसान है, हम बिकने वाले नही है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे अध्यक्ष पुत्र सौरभ गुप्ता ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार में सभी लोगों का विकास हुआ है। 2 वर्ष पहले नीबी दोहनी की तस्वीर कुछ और थी अब सीमा विस्तार के बाद सीमा विस्तारित क्षेत्र में लोगों को पीएम आवास आदि का लाभ मिला है। पथ प्रकाश, नालियों की साफ सफाई की समीक्षा कीजिए और निर्णय लीजिए कि किसे आपको समर्थन देना है।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2015 में हुए दंगे के दौरान 42 दिन बन्द रहे दुकानों को हियुवा नेता रहे स्व० सुभाष गुप्ता ने खुलवाने का कार्य किया। बहरहाल सड़क दुर्घटना में हुई मौतों की याद दर्शकों को भावुक कर दी। इस दौरान शोहरतगढ़ में हो रहे विकास कार्यो में विवाह घर, सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण, रोड के किनारे कीमती जमीनों के रखरखाव एवं उनका निर्माण हेतु विभिन्न प्रस्तावों पर अपनी बात कही। नीबी दोहनी में विगत वर्षो में हुई कतिथ हत्या के खुलासे न होने और घटी घटनाओं को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि आप सभी को यह भी समीक्षा करने की जरूरत है कि, किसने भाई से भाई को लड़ाकर थाने की दलाली की, और किसने हत्या करवाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षीरज ओझा ने कहा कि आप को समीक्षा करने की जरूरत है कि जो आप के पास आते उनका उद्देश्य क्या है। आपका का विकास करना या खुद का विकास करना है। अजय शंकर मिश्रा ने कहा कि आप सत्य का साथ दीजिए क्योंकि की भगवान श्रीकृष्ण ने सत्य का साथ दिया था। कार्यक्रम को जितेंद्र पाण्डेय, पवन ओझा, क्षीरज ओझा, सहदेव गुप्ता ने संबोधित किया। इस दौरान त्रिलोकी प्रसाद पटवा, धर्मराज चौधरी, जनार्दन पाण्डेय, विशुनदेव तिवारी, जसवंत चौरसिया, कपिल प्रजापति, सोनू पहलवान, अभिषेक अग्रहरि, राकेश कुमार श्रीवास्तव, धीरज ओझा, ओम प्रकाश पटवा आदि मौजूद रहे।

शिवनगर थाने पर ग्राम प्रहरियों की बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी,सिद्धार्थनगर। गांवों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाने पर बुलाई गई ग्राम प्रहरियों की बैठक में थानाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला द्वारा गांवो की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश देने के साथ उन्हें शासन की मंशा से भी अवगत कराया गया। शुक्रवार को आहूत प्रहरियों की बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष शुक्ला द्वारा अपराधियों के संबंध में सूचनाओं के आदान–प्रदान के विषय में बताया गया। सभी लोगों को उच्च अधिकारियों से प्राप्त आदेशों व निर्देशों से भी अवगत कराया गया। उन्हें पुलिस का मित्र होने का अहसास कराते हुए बताया गया कि आप पुलिस के मित्र और सहयोगी हैं। अतः आप सभी अपने–अपने गांव में सुरक्षा के दृष्टिगत पैनी नजर रखें। यदि कोई बाहरी व अनजान व्यक्ति गॉव में किसी के घर कई दिन ठहरता है तो भी ध्यान देने की आवश्यकता है। गॉव में किसी भी प्रकार के अपराध होने का अंदेशा हो तो तत्काल हल्का प्रभारी व बीपीओ के साथ थानाध्यक्ष को भी अवगत कराएं। थानाध्यक्ष द्वारा प्रहरियों को व्यक्तिगत समस्या होने की स्थित में भी सहयोग का आश्वासन दिया गया। शीत ऋतु में कोहरे के कारण चोरी की घटनाएं बढ़ने की आशंका व्यक्त करते हुए उन्हें सचेत किया गया। शुक्ला ने गांवों में भ्रमणशील रहने व गस्त करने वाले प्रहरियों को उच्च अधिकारियों द्वारा सम्मानित कराये जाने की बात भी कही गई।

ग्राम पंचायत रोमनदेई में बीडीओ ने पकड़ी अनिमित्ता, होगी कार्रवाई

ग्राम पंचायत में नाबालिक बच्चों से काम कराने का था आरोप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। ग्राम पंचायतों में आए दिन जहां भ्रष्टाचार की खबरें आती है वही बढ़नी ब्लाक के ग्राम पंचायत रोमन देवी में ग्रामीणों के शिकायत करने पर जिला अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के आदेश पर खंड विकास अधिकारी संजय वर्मा ने जांच किया जांच के दौरान लगाए गए सारे आरोप सही साबित हुए आपको बता दें कि ग्राम पंचायत रोमनदेई विकास खण्ड बढ़नी में विगत कई दिनों से बैदू मुल्ता के खेत से सोतवा नाला तक मिट्टी पटायी कार्य चल रहा है, उक्त सड़क पर दो दिन ग्राम प्रधान करीम खान के द्वारा ट्रैक्टर से कार्य कराया जा रहा था मौके पर ग्रामीणों द्वारा विडीयो बना कर विरोध किया गया तथा इसकी सूचना ब्लाक पर मौखिक व लिखित दोनो प्रकार से की गयी साथ ही उक्त कार्य के लिए कुल 124 मजदूरों का डिमाण्ड किया गया है, जिसमें 41 मजदूरी प्रदेशों में पिछले कई महीनों से अपना जीवन यापन करने गये हुए हैं, तथा उक्त 124 मजदूरों में से कुछ नाबालिग बच्चों के भी नाम है, जिसका प्रमाण प्रर्थना पत्र में सलग्न है साथ ही उक्त कार्य पर किसी दिन 18 किसी दिन 22, 26 व 57 मजदूर ही कार्य कर रहें हैं जिसका विडियो क्लिप भी है उक्त कार्य पर 124 मजदूर रोज के रोज आनलाइन उपस्थित भी कराये जा रहें हैं। आरोप लगाते हुए ग्रामीणों मांग की थी ताकि शासन के मंशा के अनुरूप गुणवत्ता परक कार्य हो सके। खंड विकास अधिकारी संजय वर्मा के जांच के दौरान ग्राम प्रधान करीम खान बच्चों से काम करवाते नजर आए जहां कार्य योजना में मजदूरों का डिमांड 124 दर्ज किया गया था तो वही मौके पर केवल 57 लोग ही कार्य करते रहे जिसमें जिन नामों को अन्य दिखाया गया था उसमें 40 से ज्यादा लोग बाहर के प्रदेशों में जीवन यापन करते हैं ऐसा ग्रामीणों ने आरोप लगाया है खंड विकास अधिकारी ने कहा कि जिस भी ग्राम पंचायत में गलत होगा वहां निश्चित रूप से कार्रवाई होगी ग्रामीणों ने शिकायत किया था जिस कारण से मुख्य विकास अधिकारी के आदेश पर निरीक्षण किया गया है और सारे आरोप सही पाए गए हैं ग्राम प्रधान के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जन शिक्षण संस्थान का हुआ वार्षिक बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जन शिक्षण संस्थान सिद्धार्थ नगर (उ० प्र०) की

गठित प्रबंध कारिणी समिति, कार्यकारी समिति, सलाहकार समिति, क्रय समिति की एक वार्षिक निमियित बैठक संस्थान के साड़ी स्थित मुख्यालय परिसर हुई। जिसमे जनपद में कौशल विकास के क्षेत्र में भविष्य की योजना, वर्तमान स्थिति, रोजगारध्स्वरोजगार की वृद्धि के लिए अपनाये जाने वाले बिन्दुओ पर विस्तृत चर्चा के बाद आवश्यक कार्ययोजना बनाने हेतु निर्णय लिए गए। बैठक में सिद्धार्थ नगर जनपद के निम्न माननीय पदाधिकारीध्सदस्य तथा शासकीय सदस्य उपस्थित रहे दयाशंकर सरोज उपयुक्त जिला उद्योग, विकास त्रिपाठी जिला समन्वयक उ०प्र० कौशल विकास मिशन, अभिषेक केसरी कौशल विकास व उद्यम मंत्रालय भारत सरकार, विपिन कुमार आई टी आई सिद्धार्थ नगर, संजू सिंह उपाध्यक्ष, पंकज सिंह, संध्या, सुमन श्रीवास्तव, दिलीप कुमार सिंह, कार्यवाहक निदेशक जन शिक्षण संस्थान सिद्धार्थ नगर सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया बौद्ध थीम पार्क निर्माण कार्य का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जयेन्द्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा

जनपद में पर्यटन को बढावा देने के लिए विकास खण्ड–बर्डपुर में कपिलवस्तु में भारत सरकार के स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत बौद्ध थीम पार्क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। कार्यदायी संस्था उ0प्र0 राकीय निर्माण निगम गोरखपुर इकाई गोरखपुर द्वारा बुद्धा थीम पार्क, आर्ट गैलरी, फूड प्लाजा, यात्री सहायता केन्द्र का निर्माण कार्य कराया जाना है। कार्यदायी संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि आर्ट गैलरी, फूड प्लाजा एवं यात्री सहायता केन्द्र का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। परिसर में पार्किंग, कनेक्टिंग रोड का निर्माण कार्य पूर्ण करा लिया गया है। निरीक्षण के समय थीम पार्क में लाईट साउण्ड शो, प्रोजेक्शन रूम की फीनिशिंग का कार्य कराया जा रहा है। थीम पार्क में धौलपुरी पत्थर लगाया जा रहा है। कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया कि धौलपुरी पत्थर लगाने का कार्य, फिनिशिंग कार्य व अन्य निर्माण कार्य मानक के अनुरूप एवम गुणवत्तापूर्ण ढ़ग से कराया जाय। उक्त के अतिरिक्त परिसर के बाउंड्रीवॉल, गेट निर्माण कार्य कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा कार्य बहुत धीमी गति से कराया जा रहा है। निर्माण कार्य तीव्र गति से कराने के निर्देश दिया गया।

बना गाँव, मेरा नगर धीरे–धीरे: नियाज कपिलवस्तुवी

खुनियांव में राष्ट्रीय मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

खुनियांव,सिद्धार्थनगर। एक शाम सर सैय्यद के नाम के तहत खुनियांव ब्लाक के रेहरा उर्फ भैसाही गांव में राष्ट्रीय मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में देश प्रदेश के मशहूर शायर, शायरात एवं कवि व कवयित्रियों ने शिरकत कर समां बांध दिया। कविसम्मेलन, मुशायरे का आगाज शायर असद बस्तवी की नाते पाक से हुआ। वरिष्ठ कवि डाक्टर ज्ञानेंद्र द्विवेदी दीपक ने ऐ अब्र हमें तू बार बार सैलाब की धमकी देता है, हम तो दरिया की छाती पर तरबूज की खेती करते हैं, सुनाकर बुद्ध भूमि की महिमा का बखान किया। मशहूर शायर नियाज कपिलवस्तुवी ने अपनी रचना बना गाँव मेरा नगर धीरे–धीरे, बहुत कुछ है बदला मगर धीरे–धीरे पेश कर बढ़ते शहरीकरण में गांवों की खोती पहचान का दर्द बखूबी बयान किया। कवयित्री गुले सबा फतेहपुरी ने युवाओं की फरमाइश पर मधुर स्वर में अवधी गीत प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। हास्य कवि विकास बौखल ने अपनी चुटकियों से लोगों को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया. वरिष्ठ रचनाकार ब्रह्मदेव शास्त्री पंकज सहित शायर वसीम मजहर, मैकश आजमी आदि की रचनाएँ भी खूब सराही गयीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में खण्ड विकास अधिकारी धनंजय सिंह रहे व विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद हाजी मोहम्मद मुकीम शामिल रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते

हुए मुख्य अतिथि धनंजय सिंह ने कहा कि सर सैय्यद अहमद खान एक ऐसी शख्सियत रहे जिन्होंने न सिर्फ हिंदुस्तान को बल्कि पूरी दुनिया में उर्दू अदब का परचम लहराया, शुक्रवार को उन्हीं के नाम से यह कार्यक्रम हो रहा है, शिक्षा जगत में उनका नाम सदैव लिया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक शाहिद सिराज ने शिक्षित समाज के निर्माण में सर सैयद अहमद खान के अप्रतिम योगदान को सराहते हुए लोगों से अपने बच्चों को शिक्षित करने का अनुरोध किया। हाजी मोहम्मद मुकीम साहब ने आए हुए समस्त मेहमानों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया, और सर सैय्यद अहमद खान के जीवनी पर प्रकाश डाला। सर सैय्यद अहमद खान के नाम से किए गए मुशायरे एवं कवि सम्मेलन में गंगा जमुनी तहजीब पर विशेष जोर दिया गया। मशहूर शायरा चांदनी शबनम ने अपने दर्शकों को इश्किया शायरी और नज्म पढ़कर रात की खूब्बसूरत चांदनी में चार चांद लगा दिया उन्होंने अपनी शायरी के दौरान नवजवानों की फरमाइश पर एक से बढ़कर एक सुरीली रचनाएँ प्रस्तुत की। शायर वसीम मजहर,असद बस्तवी , अकमल बलरामपुरी, राम प्रकाश गौतम, जमाल कुद्दूसी, नूर अली नूर, आदि शायर, शायरात एवं कवियों ने अपनी नई नई एवं खूबसूरत पंक्तियां पढ़कर दर्शकों को रातभर कविता एवं शायरी के विभिन्न रसों में सराबोर कराया। इस मौके पर अब्दुल रऊफ चौधरी, अफरोज सिद्दीकी, नादिर सलाम, अखिलेश मौर्या, महबूब आलम मनिहार, इसरार अहमद फारुकी, डॉ अख्लाक हुसैन, मुस्तफा खा, मेराज मुस्तफा, राम सहाय, कमरुल चौधरी, राम कुमार विश्वकर्मा, रिंकू चौधरी, अजय प्रताप, मलिक फजले रब, मैनुद्दीन खघं, शाहिद हुसैन, अय्याज अहमद, इंजीनियर आशिफ शाहिद, अहमद हुसैन, डॉ. मो हुसैन इंजीनियर मुजीब खान, इलियास चौधरी आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

समस्याओं के विरोध में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर जिला

अधिकारी कार्यालय पर अपनी मांगों के लिए एकत्रित हुए शिक्षक। जिलाध्यक्ष आदित्य शुक्ला के कहा की बेसिक शिक्षक नित नए प्रयोगों एवं आदेशों से परेशान कुंठित एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ है। मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री द्वारा घोषित योजना कैशलेस चिकित्सा बीमा योजना को कैसयुक्त बना दिया गया। महासंघ इस प्रकार के भेदभाव की व्यवस्था का घोर विरोध करता है, इसके अलावा शिक्षको की अन्य समस्याएं पुरानी पेंशन की बहाली प्रधानाध्यापक का पद समाप्त किया जाना व पदोन्नति प्रक्रिया आकांक्षी जनपद के नाम पर कई वर्षों से शिक्षक शिक्षिकाएं स्थानांतरण उत्पीड़नात्मक निरीक्षण आदि प्रमुख समस्या है जिससे शिक्षक परेशान हैं, तथा तनाव मुक्त होकर अपने दायित्वों का निर्वहन सही तरीके से नहीं कर पा रहा है। उक्त समस्याओं के समाधान हेतु आज मुख्यमंत्री को संबोधित जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया गया। उक्त कार्यक्रम में पंकज त्रिपाठी, अभय कुमार सिंह, विपुल कुमार सिंह, शिवपाल सिंह, अनुपम सिंह, पंकज राय, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, सुरेंद्र प्रसाद, मनोज त्रिपाठी, रेनू मणि त्रिपाठी, सुरेंद्र गुप्ता, पतंजलि मिश्र, प्रदीप पांडेय, संतोष पांडे, मनीष सिंह, आशीष पांडे, अंजनी झा, नगीना राय, आनंद पांडे, अनुराग वर्मा, राकेश पांडे, सहित सैकड़ों की संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

हैंड पंप रिबोर के नाम पर बिना काम के हो रहा है भुगतान

दो हैंडपंप रिबोर व ऊंचा करने के नाम पर निकाल लिया गया 55800 रुपया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी,सिद्धार्थनगर। विकासखंड बांसी के ग्राम पंचायत हयातनगर में हैंड पंप रिबोर व ऊंचा करने के नाम पर हुआ भुगतान नहीं हुआ कार्य, बासी ब्लाक के ग्राम पंचायत हयातनगर में किस तरह से बिना काम कराए हो रहा है भुगतान जबकि प्रदेश सरकार की मंशा है कि ज्यादा से ज्यादा गांव में काम कराने की लेकिन धरातल पर नहीं हो रहा काम, शासन सेआए हुए धन को किस तरह से किया जा रहा है बंदरबांट हैंडपंप रिबोर के नाम पर व हैंडपंप ऊंचा करने के नाम पर हो रहा है भुगतान सिर्फ कागज में हो रहा है कार्य जिस कार्य के नाम पर 55800–निकाला गया वह कार्य हरिलाल व रामदास के घर के पास हैंडपंप रिबोर दिनांक 6–8–2022 को 29,700 का भुगतान हुआ दूसरा कार्य 6–8–2022 को 26,100 रामप्रकाश रामदास के खेत के पास हैंडपंप ऊंचा करने के लिए के नाम पर हुआ भुगतान लेकिन हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है जो हैंड पर रिबोर किया गया वह बंद पड़ा है और उस पर पुआल से चारो तरफ से ढका पड़ा हुआ है दूसरा जो हैंडपंप ऊंचा करने के लिए निकाला गया धन व है भी हैंडपंप बंद पड़ा है और नहीं ही उचा किया गया यह बासी ब्लॉक के जिम्मेदार अधिकारियों का हाल है, प्रदेश सरकार सेआये हुये धन का किस तरस किया जा रहा है बंदरबांट। इस संबंध में वीडियो बांसी आनंद कुमार गुप्ता पूछने जाने पर बताया कि जांच कर गलत पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

एक्स्पोजर विजिट पर गोरखपुर गए परिषदीय बच्चें

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। उसका बाजार बीआरसी से उच्च

प्राथमिक विद्यालयों के राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत पुरस्कृत 50 बच्चों को एक्सपोजर विजिट हेतु खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार के नेतृत्व में गोरखपुर हेतु बस द्वारा ले जाया गया। जहां पर उन्हें गोरखपुर के चिड़ियाघर सहित अन्य स्थानों का भ्रमण कराया गया। शहर के अंदर चिड़ियाघर, नक्षत्रशाला, नौका विहार आदि प्रमुख स्थान को दिखाने के साथ बच्चों के उत्सुकता अनुसार उन्हें इस संबंध में जानकारी भी दी गई। शिक्षकों द्वारा बच्चों से विस्तार रूप से चर्चा की गई। बच्चे विभिन्न स्थान व वन्यजीवों के बारे में प्रमुख जानकारियां नोट करते रहे। इस दौरान बच्चों को खाने–पीने की व्यवस्था की गई थी। भ्रमण में अर्पित, आराध्या पांडेय, गुन सागर, नंदिनी गुप्ता, ज्ञानवी, नीलाक्षी, दिव्या, पवन, शशि यादव, दिव्यांशी, मुकेश, नीलम, संध्या आदि बच्चों के अलावा एआरपी रामसेवक गुप्ता, गुलाम जिलानी व सुबाष चंद, शिक्षक किरन यादव, सुनैना गौड़, मनोज गौड़, बालजीत, संजय, आकाश, राजीव, अरविंद आदि सम्मिलित रहे।

मधुमक्खी पालन में रूचि रखने वाले नवयुवकों एवं नवयुवतियों के लिए ऑनलाइन आवेदन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022–23 हेतु जनपद–सिद्धार्थनगर के ग्रामीण क्षेत्र में मधुमक्खी पालन में रूचि रखने वाले नवयुवकों एवं नवयुवतियों को स्वरोजगार के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्रों की मांग की जा रही है। इस योजनान्तर्गत आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। योजनान्तर्गत अधिकतम 50.00 तक लाख का ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत सभी वर्ग को स्वयं का अंशदान 05 प्रतिशत लगाना है। एवं सभी वर्ग को कुल परियोजना लागत का 35 प्रतिशत अनुदान (सब्सिडी) दिये जाने का प्राविधान है। इच्छुक व्यक्ति ूाअपबवदसपदम. हवअ.पद वेबसाइड च्डम्ळच् के ई–पोर्टल ।ळम्छब्ल् झटप्ठ पर जा कर ऑनलाइन आवेदन कर सकता हैं। अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय द्वितीय तल विकास भवन–सिद्धार्थनगर में सम्पर्क कर सकते है साथ ही दूरभाष के द्वारा मो0नं0–9453938215, 7752884707, 9580503136, से भी जानकारी ले सकते है। उक्त आशय की जानकारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी शिवदत्त द्वारा एक विज्ञप्ति के माध्यम से दिया गया है।

सम्पादकीय

चुनाव से पहले नीतीश कुर्सी छोड़ेंगे या नहीं?

इसका यह भी मतलब है कि वे खुद ही 2024 की सफलता को लेकर आश्वस्त नहीं हैं और इसलिए उसके बाद भी सीएम की कुर्सी पर जमे रहना चाहते हैं। अगर उनको 2024 के लिए भरोसा है तो तेजस्वी को डेढ़ साल और क्यों इंतजार कराना है? वे पहले ही उनको सीएम बना दें और डेढ़ साल तक मुख्यमंत्री ...

यह ठीक है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद के नेता और अपने उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को अपना उत्तराधिकार बता दिया है। उन्होंने खुले शब्दों में कहा है कि बिहार के लिए अब आगे का काम तेजस्वी करेंगे। फिर विधानसभा में उन्होंने कहा कि 2025 का चुनाव तेजस्वी का नेतृत्व में लड़ा जाएगा। पर लाख टके का सवाल है कि नीतीश कुमार अगले चुनाव से पहले कुर्सी छोड़ेंगे या नहीं? वे अपनी कुर्सी छोड़ कर विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी के नता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे या नहीं? अगला चुनाव तेजस्वी की कमान में लडना एक बात है लेकिन वह कमान कैसी होगी? राजद और जदयू का गठबंधन तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा बना कर चुनाव लड़ेगा या बतौर मुख्यमंत्री तेजस्वी चुनाव में उतरेंगे? राजद और जदयू के नेता इसे कोई बड़ी बात नहीं मान रहे हैं। राजद वाले खुश हैं कि नीतीश कुमार ने भतीजे तेजस्वी के लिए रास्ता खाली कर दिया। पर रास्ता खाली कहां हुआ है? अगर नीतीश ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहेंगे तो तेजस्वी के लिए 2025 का चुनाव आसान नहीं होगा। वैसे भी 2025 के चुनाव के बाद क्या समीकरण बनेगा और एक दर्जन पार्टियों वाले राज्य बिहार में सीटों का क्या समीकरण उभरता है यह कौन जानता है! एक बड़ा सवाल यह भी है कि जब नीतीश कुमार पूरे देश की राजनीति करनी है और विपक्ष को एकजुट करके 2024 में भाजपा को हरान है, भाजपा मुक्त भारत बनाना है तो क्या यह काम वे बिहार का मुख्यमंत्री रहते ही करेंगे या मुख्यमंत्री पद उसी समय छोड़ देंगे? अगर उनको मोदी के लिए चुनौती तैयार करनी है तो कायदे से उनको मुख्यमंत्री पद छोड़ कर लोकसभा का चुनाव लडना चाहिए और फ्रंट से लीड करना चाहिए। अगर वे कह रहे हैं कि भाजपा को हराने के लिए वे जो मोर्चा बना रहे हैं वह कोई थर्ड फ्रंट नहीं होगा, बल्कि मेन फ्रंट होगा तो उसके फ्रंट में तो खुद उनको होना होगा। नीतीश कुमार 2024 में मोदी को हराने की बात कर रहे हैं और तेजस्वी के 2025 में कमान संभालने की बात कर रहे हैं तो यह बात कुछ जमती नहीं है। इसका यह भी मतलब है कि वे खुद ही 2024 की सफलता को लेकर आश्वस्त नहीं हैं और इसलिए उसके बाद भी सीएम की कुर्सी पर जमे रहना चाहते हैं। अगर उनको 2024 के लिए भरोसा है तो तेजस्वी को डेढ़ साल और क्यों इंतजार कराना है? वे पहले ही उनको सीएम बना दें और डेढ़ साल तक मुख्यमंत्री रहने के बाद तब तेजस्वी 2025 के विधानसभा चुनाव में गठबंधन का नेतृत्व करें! अगर ऐसी नहीं होता है तो नीतीश कुमार की मंशा पर सवाल उठते रहेंगे। तभी बिहार भाजपा के नेताओं ने कहा है कि अगर 2024 में नीतीश का अभियान कामयाब नहीं होता है तो वे फिर पलटी मार सकते हैं।

इस रात की सुबह कब?

श्रीलंका के लोगों ने राजपक्षे सरकार सरकार के खिलाफ बगावत की और गोटाबया राजपक्षे को राष्ट्रपति पद छघेडने के लिए मजबूर कर दिया। लेकिन उसके बाद आई सरकार भी देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने का रास्ता नहीं तलाश पाई है। श्रीलंका में लोगों को आर्थिक मुसीबतों से राहत नहीं मिल रही है। बल्कि समस्याएं बढ़ती ही जा रही हैं। इससे बुरा हाल और क्या होगा कि लोग भोजन जुटाने के लिए अपनी जायदाद बेचने लगें? वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्लूएफपी) की एक ताजा रिपोर्ट ने ऐसी दर्दनाक कहानियों को दुनिया के सामने रख है। सार यह है कि श्रीलंका में सबको भरपेट नसीब नहीं हो पा रहा है। महीनों से जारी मुद्रा संकट ने श्रीलंका की आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से को गरीबी में धकेल दिया है। नतीजतन, 30 फीसदी परिवार खाद्य असुरक्षा का शिकार हो गए हैं। बाकी आबादी की हालत भी कोई बहुत अच्छी नहीं है। डब्लूएफपी ने अपनी रिपोर्ट इसी वर्ष अक्टूबर में देश भर में किए व्यापक सर्वेक्षण के आधार पर तैयार की है। रिपोर्ट में कहा गया है– श्दस में सात से ज्यादा परिवार खाना बचाने के लिए कोई ना कोई तरीका अपना रहे हैं। मसलन, वे अपनी पसंद का खाना कम खा रहे हैं।य सर्वे के दौरान सामने आया कि 80 फीसदी परिवार अपनी कोई ना कोई संपत्ति बेचने को मजबूर हो रहे हैं। हकीकत यही है कि आज भी श्रीलंका की कृषि भी संकटग्रस्त है। इसकी शुरुआत पूर्व राजपक्षे सरकार के रासायनिक खादों के आयात पर अचान रोक लगा देने से हुई थी। कम फसल होने का असर पशुपालन और मुर्गीपालन पर भी पड़ा। इन सारे पहलुओं ने श्रीलंका की आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से के सामने पेट भरने की समस्या खड़ी कर रखी है। बेशक इस चिंताजनक स्थिति के लिए पिछली सरकार की नीतियां दोषी हैं। पूर्व राष्ट्रपति गोटबया राजपक्षे के शासनकाल में श्रीलंका के सेंट्रल बैंक ने दो वर्ष तक मुद्रा की अंधाधुंध छपाई की। नतीजा हुआ कि इस वर्ष अमेरिकी डॉलर की तुलना में श्रीलंकाई रुपये की कीमत ढह गई। उसका परिणाम श्रीलंका के लोगों को भुगतना पड़ा है। उन्होंने राजपक्षे सरकार सरकार के खिलाफ बगावत की और गोटाबया राजपक्षे को राष्ट्रपति पद छघेडने के लिए मजबूर कर दिया। लेकिन उसके बाद आई सरकार भी देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने का रास्ता नहीं तलाश पाई है।

चीन से भारत का व्यापार

ज्ञातव्य है कि वर्ष 2019 और 2020 में चीन से तनाव के कारण जैस जैसे चीन की भारत के प्रति आक्रामकता और विस्तारवादी नीति सामने आई, वैसे–वैसे प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर देश भर में बढ़ती हुई दिखाई दी थी । देशभर में चीनी सामान के जोरदार बहिष्कार और सरकार के द्वारा टिक टश्वक सहित विभिन्न चीनी एप पर प्रतिबन्ध, चीनी सामान...

अजय दीक्षित

हाल ही में चीन के कस्टम विभाग की ओर से प्रकाशित भारत–चीन के द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ों के मुताबिक दोनों देशों के बीच जनवरी 2022 से सितम्बर 2022 के बीच नौ महीनों के दौरान द्विपक्षीय कारोबार 103.63 अरब डालर का हुआ है । इस अवधि में चीन से भारत के लिए निर्यात 89.66 अरब डालर रहा है। इसमें 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है । वहीं, इस अवधि में भारत से चीन के लिए केवल 13.97 अरब डालर का निर्यात हुआ है और इसमें 36.4 प्रतिशत की गिरावट रही है। ऐसे में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 75.69 अरब डालर रहा है । गौरतलब है कि पिछले वर्ष दोनों देशों के बीच पूरे वर्ष में 125 अरब डालर का द्विपक्षीय कारोबार हुआ था । बीते वर्ष चीन का भारत के लिए निर्यात 46.2 प्रतिशत बढकर 97.52 अरब डालर रहा था, जबकि भारत से चीन के लिए निर्यात 34.2 प्रतिशत बढकर 28.14 अरब डालर रहा था । इस अवधि में भारत का व्यापार घाटा. 69.38 अरब डालर रहा था । ऐसे में स्पष्ट है कि इस वर्ष 2022 में चीन से व्यापार घाटा और व्यापार असंतुलन और बढ़ेगा । यहां यह उल्लेखनीय है कि चीन से भारत में आने वाले सामान में विभिन्न उद्योगों के उत्पादन में काम आने वाले कच्चे माल, केमिकल्स, दवाईयों, इलेक्ट्रिक व इलेक्ट्रनिक जैसे सामानों की अधिकता है । चीन से भारत के द्वारा किए कुल आयात का एक बड़ा हिस्सा पशु या वनस्पति वसा, अयस्क, लावा और राख, खनिज ईंधन, अकार्बनिक रसायन, कार्बनिक रसायन, उर्वरक, कमाना या रंगाई के अर्क, विविध रासायनिक उत्पाद, प्लास्टिक, कागज और पेपरबोर्ड, कपास, कपड़े, जूते, कांच और कांच के बने पदार्थ, लोहा और इस्पात, तांबा, परमाणु रिएक्टर, बॉयलर, मशीनरी और यांत्रिक उपकरण, विद्युत मशीनरी और फर्नीचर से सम्बन्धित है । देश में अभी भी दवाई उद्योग, मोबाइल उद्योग, चिकित्सा उपकरण उद्योग, वाहन उद्योग तथा इलेक्ट्रिक जैसे कई उद्योग बहुत कुछ चीन से आयातित माल पर आधारित हैं ।

यद्यपि चीन के कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले दो वर्षों में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपये आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। देश के कई उत्पादक चीन के कच्चे माल का विकल्प बनाने में सफल भी हुए हैं। इस डगर पर तेजी से आगे बढना जरूरी है । उल्लेखनीय है कि अब विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) संबंधी नई अवधारणा और नई लॉजिस्टिक नीति सितम्बर 2022 के प्रावधानों के उपयुक्त क्रियान्वयन से सेज में उपलब्ध संसाधनों के पूरे उपयोग से घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों के लिए कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण विनिर्माण किया जा सकेगा और चीन को निर्यात बढ़ाकर चीन से आयात भी कम किये जा सकेंगे । वस्तुतरू अब सेज की नई अवधारणा के तहत सरकार के द्वारा सेज से अन्तर्राष्ट्रीय बाजार और राष्ट्रीय बाजार के लिए विनिर्माण करने वाले उत्पादकों को विशेष सुविधाओं से नवाजा जायेगा । सेज में खाली जमीन और निर्माण एरिया का इस्तेमाल घरेलू व निर्यात मैन्युफैक्चरिंग के लिए हो सकेगा । सेज में पूर्णकालिक पोर्टल के माध्यम से कम क्लीयरेंस की सुविधा होगी व मैन्युफैक्चरिंग शुरू करने के लिए जरूरी सभी प्रकार के क्लीयरेंस भी वहीं दिये जायेंगे । राज्यों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जायेगा । इंफ्रास्ट्रक्चर खासकर लाजिस्टिक की सुविधा बढने से उत्पादन लागत कम होगी और भारतीय वस्तुएं अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में आसानी से मुकाबला कर सकेंगी । रेल, सड़क, बंदरगाह जैसी सुविधाओं के बड़े नेटवर्क से भारतीय लागत वैश्विक स्तर की हो जाएगी और भारत को निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी । निश्चित रूप से स्थानीय बाजारों में चीनी उत्पादों को टक्कर देने और चीन से व्यापार घाटा और कम करने के लिए हमें उद्योग कारोबार क्षेत्र की कमजोरियों को दूर करना होगा । हम देश में मेक इन इण्डिया अभियान को आगे बढ़ाकर लोकल प्रॉडक्ट को ग्लोबल बना सकते हैं । सरकार के द्वारा स्वदेशी उत्पादों को चीनी उत्पादों से प्रतिस्पर्धी बनाने वाले सूक्ष्म आर्थिक सुधारों को लागू किया जाना होगा । भारतीय उद्योगों को चीन के मुकाबले में खड़ा करने के लिए शोध और नवाचार पर और अधिक ध्यान देना होगा । चीन से व्यापार घाटा कम करने के लिए पूरे देश में और अधिक करोड़ों लोगों के द्वारा वोकल फॉर लोकल के संकल्प को ध्यान में रखा जाना होगा । चीनी उत्पादों की जगह यथासंभव स्थानीय स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को जीवन का मूलमंत्र बनाना होगा । प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा स्वदेशी उत्पादों की खरीदी के जन अभियान को और अधिक प्रभावी बनाना होगा । ज्ञातव्य है कि वर्ष 2019 और 2020 में चीन से तनाव के कारण जैस जैसे चीन की भारत के प्रति आक्रामकता और विस्तारवादी नीति सामने आई, वैसे–वैसे प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर देश भर में बढ़ती हुई दिखाई दी थी । देशभर में चीनी सामान के जोरदार बहिष्कार और सरकार के द्वारा टिक टॉक सहित विभिन्न चीनी एप पर प्रतिबन्ध, चीनी सामान के आयात पर नियंत्रण, कई चीनी सामान पर शुल्क वृद्धि, सरकारी विभागों में चीनी उत्पादों की जगह यथासंभव स्थानीय उत्पादों के उपयोग की प्रवृत्ति को लगातार प्रोत्साहन दिए जाने से चीन के उपभोक्ता त्योहारी बाजार सामानों की भारत में मांग में कुछ कमी जरूर दिखाई दी थी ।

वित्तीय समावेशन– एक सफरनामा

1 दिसंबर 2022 से भारत द्वारा जी–20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के बाद से देश वैश्विक स्तर पर वित्तीय समावेशन पारिस्थितिकी तंत्र के आधार को गहरा बनाने के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डिजिटल पहचान, डिजिटल भुगतान और डेटा की डिजिटल सहमति–आधारित विनिमय) के महत्व को अपना मुखर समर्थन देने का प्रयास करेगा। लेन–देन की लागत और ...

अजय सेठ और माइकल देवव्रत पात्र

समाज के कमजोर एवं कम आय वाले वर्गों जैसे बेसहारा तबकों को वित्तीय सेवाओं के साथ–साथ उनको समय पर और किफायती दरों पर पर्याप्त मात्रा में क्रेडिट सुलभ कराने को दुनिया–भर में आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन की दिशा में एक प्रमुख प्रेरक तत्व माना जाता है। यदि समाज के कमजोर तबकों की पहुंच औपचारिक वित्त तक हो तो इससे रोजगार पैदा करने की गति को बल मिलेगा, आर्थिक आघात लगने की संभावना कम हो सकती है और इससे मानव पूंजी में किए जाने वाले निवेशों में भी इजाफा होगा। संयुक्त राष्ट्र के सत्रह सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में से सात लक्ष्यों में वित्तीय समावेशन को एक ऐसे सक्षमता कारक तत्व के रूप में शामिल किया गया है जिसकी बदौलत समाज के गरीब एवं उपेक्षित तबकों के जीवन स्तर में सुधार लाया जा सकता है।

वर्ष 2010 में जी–20 के देशों ने वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए वैश्विक स्तर पर भागीदारी (जीपीएफआई) की जरूरत पर अपनी सहमति व्यक्त की थी जिसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन पर आधारित एक संवाद शुरू करना था जिसके केंद्र में वंचित एवं जरूरतमंद लोग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम हों। वर्ष 2011 में, जी–20 के नेताओं ने विप्रेषण की लागत को कम करने के मुद्दे पर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की थी। वर्ष 2016 में डिजिटल वित्तीय समावेशन (डीएफआई) के संबंध में कुछ उच्चस्तरीय सिद्धांतों की रचना की गई थी ताकि उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए सभी देश डिजिटल परिवर्तन के अपने मार्ग पर आगे बढ़ सकें। जीपीएफआई वित्तीय ग्राहक संरक्षण और वित्तीय साक्षरता के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए डिजिटल वित्तीय समावेशन को सुविधाजनक बनाने और लघु और मध्यम उद्यमों को वित्त के विकल्प मुहैया कराने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है।

वित्तीय समावेशन का अभियान प्रत्येक देश में अपनी तरह से सबसे अलग किस्म का रहा है, जिसे उस देश की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, सुधारों को लागू करने की उसकी संस्थागत क्षमता, वित्तीय बाजारों का विकास, भुगतान के बुनियादी ढांचे, वित्तीय क्षमता और वे सांस्कृतिक मान्यताएं रूपाकार देती हैं जिनसे लोगों का वित्तीय व्यवहार तय होता है।

भारत में वित्तीय समावेशन की नीतियों के अंतर्गत बैंक शाखा नेटवर्क के विस्तार को उन क्षेत्रों तक ले जाना जहां बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं नहीं पहुंची हैं या सीमित दायरों तक पहुंची हैं, समाज के ऐसे वर्गों को ऋण प्रवाह प्रदान करना जो क्रेडिट बाजारों की ऋण सुविधाओं से वंचित रह गए हैं, अग्रणी बैंक योजना का शुभारंभ, स्वयं सेवी समूहों और संयुक्त देयता समूहों (जेएलजी) को बढ़ावा देना, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) और बुनियादी बचत बैंक जमा खातों (बीएसबीडीए) की शुरुआत करना शामिल हैं जिसका उद्देश्य व्यापार प्रतिनिधियों के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाना है।

प्रधान मंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) कार्यक्रम का शुभारंभ एक ऐतिहासिक क्षण था जिसे प्रत्येक हाउसहोल्ड को और उसके बाद बैंकिंग सुविधाओं से रहित प्रत्येक वयस्क व्यक्ति को बैंक खातों तक पहुंच प्रदान करने के लिए प्रारंभ किया गया था। पीएमजेडीवाई की घोषणा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2014 को अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में की थी। 28 अगस्त 2014 को कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री ने गरीबों के लिए इस अवसर को गरीबी के दुष्चक्र से मुक्ति का जश्न मनाने के उत्सव के रूप में वर्णित किया था। इस पहल को आगे बढ़ाते हुए, जेएएम (जनधन, आधार और मोबाइल) की त्रयी ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव किया और सुविधाजनक, सुरक्षित, संरक्षित, पारदर्शी और किफायती तरीके से डिजिटल भुगतान को सर्वव्यापी बनाने के काम को सुगम बनाया। महामारी के दौरान जेएएम ईको–सिस्टम की सुदृढ़ता का परीक्षण हो गया था, जब 54 मंत्रालयों की 319 सरकारी योजनाओं के तहत 5.53 लाख करोड़ की धनराशि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से कमजोर वर्गों को समय पर राहत के रूप में प्रदान की गई थी। जेएएम इको–सिस्टम के आधार पर देश ने लैंगिक अंतर को पाटने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं। पिछले एक दशक में महिलाओं की जमा राशि पुरुषों की तुलना में तेजी से बढ़ रही है1।

समग्र प्रणाली के स्तर पर वित्तीय समावेशन, वित्तीय साक्षरता और उपभोक्ता संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय क्षेत्र के सभी नियामकों द्वारा समन्वित दृष्टिकोण अपनाए जाने के संबंध में एक रोड मैप प्रदान करने के उद्देश्य से वित्तीय समावेशन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति (एनएसएफआई) 2019–24 और वित्तीय शिक्षण हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति (एनएसएफई)रू 2020–25 की शुरुआत की गई है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा एक वित्तीय समावेशन (एफआई) सूचकांक विकसित किया गया है जो वित्तीय सेवाओं के सुरक्षित और संरक्षित उपयोग में सुधार और सतत वित्तीय समावेशन की उपलब्धि की गुणवत्ता में सुधार के लिए समावेशन प्रयासों के मांग पक्ष पर अधिक से अधिक केंद्रित कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

भारत सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों (एमएसएमई) को नकदी प्रवाह–आधारित उधार सहित ऋण देने के लिए डिजिटल सहमति के आधार पर वित्तीय डेटा साझा करने हेतु भारत एक विश्व स्तरीय भुगतान अवसंरचना विकसित करके, यूपीआई, आधार, जीएसटीएन, डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) और डिजिटल की सुविधा के लिए अकाउंट एग्रीगेटर्स (एए) जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाकर श्लास्ट माइल कनेक्टिविटीश की समस्या को दूर करने में अग्रणी देश रहा है। डिजिटलीकृत भूमि अभिलेखों को एकीकृत करने वाले फिनटेक सल्युशन्स किसानों को सुचारु रूप से ऋण की सुविधा प्रदान करते हैं। ग्राहकों की डिजिटल ऑनबोर्डिंग को बढ़ावा देने के लिए वीडियो आधारित ग्राहक पहचान प्रक्रिया (वी–सीआईपी) शुरू की गई है। खुदरा भुगतान, सीमा–पार भुगतान और एमएसएमई ऋण देने के लिए आरबीआई द्वारा नियामक सैंडबॉक्स समूह (रेग्युलेटरी सैंडबॉक्स को–हॉर्ट्स) स्थापित किए गए हैं जिसका उद्देश्य जिम्मेदार नवाचार को बढ़ावा देना है। यह उम्मीद की जाती है कि आगे चलकर यूपीआई, ई–केवाईसी और एए की त्रिमूर्ति के द्वारा सभी के लिए अपनी आवश्यकता के अनुरूप एवं समावेशी वित्तीय सेवाएं प्राप्त करने के क्षेत्र में अगली क्रांति की शुरुआत हो।

1 दिसंबर 2022 से भारत द्वारा जी–20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के बाद से देश वैश्विक स्तर पर वित्तीय समावेशन पारिस्थितिकी तंत्र के आधार को गहरा बनाने के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डिजिटल पहचान, डिजिटल भुगतान और डेटा की डिजिटल सहमति–आधारित विनिमय) के महत्व को अपना मुखर समर्थन देने का प्रयास करेगा।

गन्ना सेंटर पर ट्रैक्टर ट्रालियों में लगाये गये रिफ्लेक्टर

कोतवाली प्रभारी अनूप शुक्ला ने लगाये रिफ्लेक्टर

महोली देहात (सीतापुर)। हरियाणा चीनी मिल द्वारा ट्रैक्टर ट्रालियों के पीछे रिफ्लेक्टर लगाने के संबंध में गन्ना सेंटर पर एक आयोजन किया गया। इसमें कोतवाली प्रभारी निरीक्षक महोली अनूप शुक्ला व चीनी मिल के कर्मचारी रीजनल हेड सोनवीर सिंह, सीडिओ अनुज सिंह, महोली सीडिओ राजीव रंजन उपस्थित रहे। कोतवाली महोली क्षेत्र के ग्राम नेरी के गन्ना सेंटर पर कोतवाली प्रभारी अनूप कुमार शुक्ला द्वारा किसानों की ट्रालियों पर रिफ्लेक्टर लगाया। ट्रैक्टर ट्राली चालकों को धुंध के मौसम में रिफ्लेक्टर की क्या अहमियत होती है, के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हमें अपने ट्रैक्टर ट्रालियों पर रैटरो रिफ्लेक्टिव रेडियम टेप एवं रिफ्लेक्टर जरूर लगाने चाहिए। धुंध के मौसम में पीछे से आने वाले वाहन चालकों को रिफ्लेक्टर अपनी 150 मीटर की दूरी तक चमक देता है। उसकी रोशनी को रिफ्लेक्ट करता है। जिससे समय पर और सुरक्षित दूरी तक आ रहे वाहन चालक को उसकी चमक मिलने से वह अपने वाहन की रफ्तार पर कंट्रोल करते हुए एक्सीडेंट से बच सकता है। इस दौरान बीस ट्रैक्टर–ट्रालियों के पीछे रिफ्लेक्टर लगाए गए। उन्होंने बताया कि धुंध के मौसम में हादसों की संख्या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। हर एक वाहन चालक को धुंध में ज्यादा दूर तक साफ दिखाई नहीं देता, इसलिए हमें अपनी ट्रैक्टर ट्रालियों के पीछे रिफ्लेक्टर जरूर लगाने चाहिए। इस मौके पर पियूष मिश्रा अरुण शुक्ला, राकेश सिंह, रामसहाय वर्मा, सोना वर्मा, सोहना वर्मा, पवनेश वर्मा, योगेश वर्मा, सोभाराम प्रेम वर्मा, सोनपाल, निजामू, संतोष सिंह आदि ने उनके ट्रैक्टर ट्राली के पीछे रिफ्लेक्टर लगाने के लिए आए हुए सभी मिल के कर्मचारियों व कोतवाली प्रभारी का धन्यवाद किया।

फसलों की बुवाई के बाद किसानों को पानी की समस्या

पहला (सीतापुर)। विकासखंड पहला के रामपुर कला मानपुर गौरा तक की दूरी 14.900 किलोमीटर के लगभग है। अमझलापुल से कुतुबपुर, घैला, रहिका, खेतमनी, सराय, ठठेरिया गांवों की सिंचाई का मुख्य साधन नहर ही है और किसानों ने खेत का पलेवा करके बुवाई कर लगी है। अब गेंहू सरसों आदि फसलों की सिंचाई करनी है। लेकिन नहरे अभी तक सूखी पड़ी है। जो किसी अतरिक्त खर्च के इधर उधर से सिंचाई करते है। और जिन किसानों के पास पम्पिंग सेट नहीं है। उनकी फसलों सिंचाई के लिये लेट हो रही है। रामपुरकलाँ क्षेत्र मे नहर ही सिंचाई का मुख्य साधन है। कुतुबपुर माइनर से जोतपुर शिवरा हो कर रामपुरकलां सरैया शंकर बक्स से लालपुर बाजार निकलती है। माइनर 13.900 किमी लगभग लबाई मे मुख्य साधन नहर ही है और फरीदपुर माइनर से जुड़नापुर व समहिया मनिकापुर से भानपुर तक 9.500 किमी लगभग तक सिंचाई होती है। माइनरों व नहरो की सिल्ट सफाई हो रही है। सिंचाई विभाग के अफसर दस दिसम्बर तक पानी छोड़ने का दवा कर रहे थे। लेकिन अभी सिल्ट की सफाई का कार्य चला रहा है। किसानों ने गेहूं चना मसूर अरहर सरसों आलू गन्ना कर ली है। पौधे निकल आये है। लेकिन पानी अभी तक नहीं आया है। तेज धूप से खेतों की नमी भी कम पड़ती जा रही है। ऐसे मे सभी गेंहू और सरसों मटर की फसलों में बहुत तेजी से पानी लगने की आवश्यकता है। नहरों में पानी नहीं आने से सिंचाई नही हो पा रही है। कुछ किसान अपने निजी संसाधनो सिंचाई करने से फसलों की लागत बढ़ती जा रही है।जिन किसानों के पास निजी संसाधनों की व्यवस्था नहीं है। वह किसान नहरों में पानी का इंतजार कर रहे हैं। जिन किसानों ने अपने फसल की पहले से बुवाई कर ली थी। फसल की सिंचाई निजी ट्यूबवेल से सिंचाई करने में लगभग 250 प्रति बीघा का खर्च आ रहा है। सिंचाई विभाग के अफसरों का कहना है कि कुछ नहरों में सिल्ट का कार्य भी हो रहा है। इसलिये नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया है। सिल्ट का कार्य पूरा होने पर पानी नहरों में छोड़ दिया जायेगा।

कूड़े के ढेर से निकली चिंगारी से पुआल के ढेर में लगी आग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बाराबंकी। सतरिख थाना क्षेत्र अंतर्गत टिकरा घाट गांव मे कूड़े के ढेर से निकली चिंगारी से लगी पुआल के ढेर में आग सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ी तब तक ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। सतरिख थाना क्षेत्र के टिकरा घाट गांव में मुन्ना लाल यादव के मकान के समीप खाली जगह पर

■ मिनटों में जानवरों का 8 बीघे का चारा जलकर खाक, आग की लप्टो से पूरे गांव में तबाही का मंजर

उन्होंने अपना पुआल का बड़ा सा ढेर लगा रखा था शुक्रवार दोपहर कूड़े के ढेर से निकली चिंगारी से पुआल में आग लग गई। देखते ही देखते पुआल तेजी से जलने लगा। जब तक दमकल की गाड़ी पहुंची तब तक ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया पहुंचकर गाड़ी ने पूर्णतया आग बुझाई। इस संबंध में थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि समय से दमकल की गाड़ी पहुंच कर आग पर काबू पा लिया है जानवरों के लिए चारा के लिए पुआल ही जला है और कोई नुकसान नहीं हुआ।

सिरसिया पावर हाउस के कर्मचारी हुए सम्मानित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर,सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को 132 के वी डुमरियागंज विधुत उपकेन्द्र पर अक्टूबर माह 2022 में राप्ती नदी में आयी बाढ से कंट्रोल रूम में पानी भर गया था। स्विच यार्ड मे लगभग 6 फिट पानी भरने की वजह से विद्युत आपूर्ति करना बड़ा ही जोखिम का कार्य था। आवासीय परिसर में पूरी तरह पानी भर गया था। परन्तु सुमेर प्रसाद अवर अभियंता के साथ लालजी शर्मा, देवेन्द्र प्रसाद मौर्य, संजय गिरि एवं नरेन्द्र कुमार परिचालकों ने 24 घंटे उपकेन्द्र पर रहकर अपने कर्तब्य का साहस के साथ पालन किया। और डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के 33 के वी डुमरियागंज, खान तारा, तरहर, भारत भारी, बिथरिया पम्प कैनाल, और इटवा तहसील के कथौतिया क्षेत्र के सभी गावँ को विधुत आपूर्ति दीपावली से पहले बहाल कर दी। जिससे लगातार विद्युत कर्मियों की हर व्यक्ति सराहना कर रहा था। इस बाढ के समय अधिशषी अभियंता विवेक कुमार, उप खण्ड अधिकारी रमेश कुमार पटेल, राम मूरत, अधीक्षण अभियंता घनश्याम मिश्र, मुख्य अभियंता वितरण आदि ने सभी परिचालको का उनके साहसी कार्य की सरहाना किया था। वहीं भीषण बाढ़ की तबाही में सोनखर गांव जो बाढ़ की पानी से घिरा हुआ था, उस गांव की एक लड़की को विद्युत संचालक लालजी शर्मा ने रेस्क्यू कर जान बचाने का कार्य किया था।

■ SDM व तहसीलदार सहित डुमरियागंज विधायक सैयद्दा खातून ने एस.एस.ओ. जे.ई.को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित
■ एवं विद्युत विभाग से भी सम्मानित कराने की बात कही

बेहतर कार्य के लिए उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार डुमरियागंज ने उपरोक्त परिस्थित में कार्य करने के लिए सुमेर प्रसाद, लालजी शर्मा, देवेन्द्र प्रसाद मौर्य, संजय अमित एवं अशोक कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनायें भी दी। एवं सभी कर्मचारियो के कार्य की सराहना करते हुये सभी को प्रशस्ति पत्र मिलने की हार्दिक शुभकामनायें दी एवं विद्युत विभाग से भी सम्मानित कराने के लिये कहा। वहीं विधायक नें कहा कि बाढ़ की विकट स्थिति में जान जोखिम में डालकर जिस प्रकार बिजली कर्मियों ने लोगों को बिजली मुहैया कराई है उसके लिए डुमरियागंज की जनता के तरफ से मैं बिजली कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं। इन विद्युत कर्मियों से अन्य लोगों को अपने कर्तव्यों के लिए प्रेरणा लेनी चाहिए। आनन्द ओझा (नायब तहसीलदार डुमरियागन्ज) अरुण वर्मा (तहसीलदार) महेश कुमार (नायब तहसीलदार इटवा) विकास कश्यप (उप जिलाधिकारी इटवा) जहीर अहमद मलिक, अयूब अहमद मलिक।

जिला कृषि अधिकारी ने की छापेमारी, लाइसेंस किया निरस्त

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। उसका बाजार कस्बे में जिला कृषि अधिकारी के छापेमारी से सभी कृषि दुकानों में हड़कंप मच गया और जायसवाल बीज भण्डार में अनियमितता पाए जाने पर तत्काल लाइसेंस निरस्त कर दिए यूरिया खाद

■ जायसवाल बीज भण्डार के दुकान नही दिखा पाए रजिस्टर और पॉश मशीन

और डाया खाद का सैंपल जांच के लिए लिए। कृषि अधिकारी सीपी सिंह ने बताया कि भ्रमण के दौरान दो किसान कृषि दुकान से तभी किसानों से पूछा गया तो दुकान पर पहुंचकर पूछ ताछ जारी की तभी दुकान के मुंशी द्वारा कुछ नही बताया गया और काफी देर तक इंतजार करने पर न ही रजिस्टर दिखाया गया और न ही पॉश मशीन और अन्य स्टॉक भी बरामद किया गया तत्काल दुकान का लाइसेंस निरस्त कर चार दिन में स्पष्टीकरण मांगा गया न देने पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

बाल अपराध व तस्करी को रोकने के लिये बॉर्डर पर किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसियापुर,सिद्धार्थनगर। कोटिया बाजार के लोहटी ग्राम पंचायत में बाल तस्करी रोकने के लिये प्लान इंडिया समूह की बालिकाओं ने एसएसबी, पुलिस, ग्राम प्रधान व प्रधानाचार्य लोहटी के साथ मिलकर

इंडो नेपाल बॉर्डर के लोहटी ग्राम पंचायत में समुदाय को बाल तस्करी रोकने के लिये जागरूक किया। बाल तस्करी के खिलाफ जागरूकता रैली का आयोजन एसएसबी कैम्प लोहटी से शुरू होकर लोहटी ग्राम पंचायत से होकर नेपाल बॉर्डर तक होते एसएसबी कैंप में समाप्त हुयी। यह रैली प्लान इंडिया की चेंज एजेंट रौशनी, सुंदरी व वंदना चौधरी ने लोहटी जूनियर विद्यालय के छाघ्त्र एवं छात्राओं एसएसबी, पुलिस, ग्राम प्रधान व प्रधानाचार्य के सयुक्त प्रयास से निकाली। इस रैली का मुख्य उदेृश्य समाज में बाल तस्करी रोकने के लिये जागरूकता पैदा करना था। इस दौरान बच्चों ने विभिन्न नारों के द्वारा समुदाय को जागरूक किया जैसे–हम सबने ठाना है, बाल तस्करी मिटाना है। बेटी बेटा एक समान, सबको शिक्षा सबको ज्ञान, हम सबकी है जिम्मेदारी, बच्चो की हो भागीदारी आदि नारों से समुदाय में बाल तस्करी रोकने का अनुरोध किया। इस दौरान प्लान इण्डिया ने बच्चों को प्रोटेक्ट प्रोजेक्ट के बारे मे बताया कि हम मानव तस्करी व बाल संरक्षण के लिये बढ़नी ब्लॉक के सीमाई क्षेत्र में कार्य कर रहे है। सशस्त्र सीमा बल 43 बटालियन के सहायक कमांडेंट हुकुम सर बताया कि बार्डर क्षेत्र मे मानव तस्करी आदि की समस्या है इससे निपटने के लिये आप सभी को अपने आसपास जागरूक करने की जरूरत है। इस कार्यक्रम में एसएसबी 43 बटा. से सहायक कमांडेंट हुकुम सिंह, सब इंस्पेक्टर मानित लाथर, पुलिस चौकी कोटिया से दुर्गेश कुमार व एकपमुल्लाह खान, ग्राम प्रधान लोहटी राम छबीले, प्रधानाचार्य लोहटी जूनियर विद्यालय पुजारी प्रसाद आंगनवाड़ी विद्यावतीश, प्रदीप चौदरी, युवक मंगल दल, महिला मंगल दल, प्लान इण्डिया से जिला समन्वयक प्रसून शुक्ला, विजयशंकर यादव सहित सैकड़ों छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय अटल भवन पर जिला बैठक का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। आगामी कार्यक्रमों और अभियानों को लेकर भाजपा कार्यालय अटल भवन बलरामपुर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह की अध्यक्षता में जिला बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक में जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी, मंडल अध्यक्षों, निकाय चुनाव के संयोजक व प्रभारियों की उपस्थिति रही। जिला प्रभारी त्रयंबक तिवारी ने निकाय चुनाव को लेकर नगर पालिका और नगर पंचायत चुनाव के संयोजक व प्रभारी से चुनाव को तैयारियों को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बलरामपुर नगरपालिका में 22 वर्षों इतिहास का बदलेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव की तारीख यथाशीघ्र आने वाली है निकाय चुनाव में सभी पार्टी पदाधिकारियों को लगना है। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी मंडल अध्यक्ष व मंडल प्रभारी पार्टी के कार्यक्रम को और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को बूथ स्तर पर करना सुनिश्चित करें, उन्होंने कहा कि पार्टी इस बार निकाय चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन करेगी और सभी सीटों को जीतेगी। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यक्रमों को लेकर विष्णु देव गुप्ता, बृजेन्द्र तिवारी, रवि कुमार मिश्रा, अवधेश त्रिपाठी, बिंदु विश्वकर्मा, संदीप उपाध्याय ने सम्बोधित किया। बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश सिंह, जिला प्रभारी त्रयंबक तिवारी, जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह, जिला उपाध्यक्ष रामकरन मिश्रा, जन्मेजय सिंह, बृजेन्द्र तिवारी, अलख राम वर्मा, महामंत्री विष्णु देव गुप्ता, रवि कुमार मिश्रा, वरूण सिंह, बिंदु विश्वकर्मा, जिला मंत्री राम प्रसाद सिंह, सुनीता मिश्रा, सूरज सोनकर, राजेश वर्मा, मनोज श्रीवास्तव, अवधेश त्रिपाठी, रामदीन वर्मा, कोषाध्यक्ष हरिश्चंद्र गोयल, मीडिया प्रभारी डीपी सिंह बैस, सह मीडिया प्रभारी संदीप उपाध्याय, कार्यालय मंत्री शैलेन्द्र सिंह, भारत नरेश सिंह, श्याम लाल पांडे, विजय गुप्ता, दिलीप गुप्ता, कृष्ण गोपाल गुप्ता, विश्राम सिंह, प्रवीण सिंह, राम शरण गुप्ता, दुष्यंत चौधरी, संदीप वर्मा, ललिता तिवारी, शिव बहादुर सिंह, राकेश गुप्ता, अरविंद तिवारी, राम निवास वर्मा, ओम प्रकाश त्रिगुणायत, डॉ प्रेम वर्मा, सुधीर सिंह, हरीश मिश्रा, जगदम्बा ठाकुर, राजेश गुप्ता, राम विलास वर्मा, शिव प्रताप सिंह, दीप चन्द्र जायसवाल, राम संजीवन त्रिपाठी, अरविंद कुमार मिश्रा, पंकज सिंह, हरिवंश सिंह, राम सुरेश मौर्य, महंत ही कम राम गुप्ता, बृज गोपाल पांडे, बुद्धि सागर अवस्थी, सीबी माथुर, अंशुमान शुक्ला, तुहीन आदि उपस्थित रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल वर्ष 1999 अनुक्रमांक 2345009 का मूल प्रमाण पत्र कहीं खो गया है। जिस किसी को प्राप्त हो इस पते पर सूचित करें ।

रमजान अली पुत्र नसीर अली
ग्राम व पोस्ट–जारा ,नौतनवां
जनपद–महाराजगंज

तलाश गश्ती गुमशुदा

मु0अ0सं0–140/21 धारा 363 IPC

नाम सरिता पुत्री बुद्धिराम हरिजन
पता–भगता सहिला,कोतवाली लोटन, जिला सिद्धार्थनगर,मो–9417460075
हुलिया – रंग गोरा गोल चेहरा कद सामान्य औसत – उम्र 17 वर्ष ,लगभग कद 5 फुट पहनावा –समीच सलवार दुपट्टा स्कूल ड्रेस सलवार व दुपट्टा सफेद तथा समीच छोटी छोटी चेक में हलका गुलाबी रंग,गले में काला धागा,दो चोटी का बाल,पैर में चप्पल,स्कूल बैग काला रंग,साइकिल रेन्जर लाल रंग का।

उक्त के सम्बंध में किसी प्रकार की सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक थाना लोटन जनपद–सिद्धार्थनगरमो0– 9454404237।

पुलिस अधीक्षक	क्षेत्राधिकारी सदर	प्रभारी निरीक्षक
जिला सिद्धार्थनगर	जिला सिद्धार्थनगर	जिला सिद्धार्थनगर
मो0 9454400305	मो0 9454401346	मो0 9454404237

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

बरियारपुर। सड़क हादसे में .रात बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना घुसवां सड़क मार्ग पर गुद्दीजोर गांव के निकट हुई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। घरवालों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है। बरियारपुर थाना क्षेत्र के गौरकोठी सिंगहा टोला गांव शिव कुमार प्रसाद का 28 वर्षीय बेटा धनेश प्रसाद नोएडा स्थित किसी प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। वह लंगड़ा गांव में पत्नी व बच्चों से मिलने ससुराल आया था। भोजन के बाद रात करीब नौ बजे वह अपने घर के लिए बाइक से निकला। इसी दौरान गुद्दीजोर गांव के सामने अज्ञात वाहन की चपेट में आने से धनेश गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां देर रात उसकी मौत हो गई। एसओ गोरखनाथ ने बताया कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक घायल हुआ था। इलाज के दौरान जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई। परिजन की शिकायत पर अज्ञात वाहन के बारे में पता किया जा रहा है। हेलमेट पहने होता तो बच सकती थी जानः बरियारपुर। गुद्दीजोर गांव के सामने सड़क दुर्घटना का शिकार हुए धनेश ने हेलमेट नहीं पहना था। इसके चलते उसके सिर में गंभीर चोटें आईं थीं। मौजूद लोगों ने बताया कि अगर धनेश ने हेलमेट लगाया होता तो शायद उसकी जान बच जाती। साथ जाने की जिद पर बेटे को चॉकलेट दिलाने का किया था वादाः बरियारपुर। मृतक धनेश की दो संतानों में एक बेटा कुलदीप और एक बेटी ज्योति है। सड़क हादसे में धनेश की मौत हो जाने के बाद दोनों मासूमों के सिर से पिता का साया उठ गया। मां और अन्य परिजनों को रोता देख दोनों रो रहे थे। धनेश छुट्टी खत्म हो जाने पर नोएडा जाने की तैयारी में था। इसलिए .वह पत्नी और बच्चों से मिलने ससुराल आया था। बेटा कुलदीप के साथ जाने की जिद पर वह सुबह चॉकलेट लेकर आने का वादा करके चला गया था। लेकिन शायद ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था। धनेश चार भाइयों में सबसे बड़ा था। वह परिवार की जिम्मेदारी संभालने कम उम्र में ही काम करने नोएडा चला गया था।

24 पदों के लिए 41 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

महराजगंज। सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में 24 पदों पर 41 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। मतदान 20 दिसंबर को होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी शंभू शरण पांडेय ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए अनिरुद्ध प्रसाद पटेल, अब्दुल हमीद खां, अरुण कुमार पांडेय, इन्द्रमणि तिवारी, महेन्द्र प्रताप पांडेय एवं वाहिद अली, महामंत्री पद के लिए कैलाश प्रसाद अग्निहोत्री, द्विजेंद्र दुबे, धर्मेन्द्र त्रिपाठी, प्रमोद कुमार त्रिपाठी एवं रामराज चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए धनंजय पटेल एवं ध्रुव नारायण पांडेय, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अमित प्रताप सिंह एवं सुरेंद्र सिंह, संयुक्त मंत्री (प्रशासन) पद के लिए अश्वनी कुमार पांडेय व आफताब आलम, संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) पद के लिए अखिलेश कुमार प्रजापति एवं परशुराम गौड़ ने नामांकन दाखिल किया है। संयुक्त मंत्री पुस्तकालय पद के लिए गिरिजेश कुमार मिश्र एवं गंगा प्रजापति, कोषाध्यक्ष पद के लिए रामरक्षा भारती एवं विनय कुमार पांडेय ने पर्चा दाखिल किया है। सदस्य वरिष्ठ कार्यकारिणी के लिए अरविंद प्रताप, चन्द्रमान शुक्ला, ब्रजेश कुमार गुप्ता, महेन्द्र प्रताप गौतम, राजेश्वर तिवारी, शिवशंकर गुप्ता आदि नामांकन दाखिल कर चुके हैं।

सप्ताह भर में विकास कार्यों की कार्ययोजना प्रस्तुत करें प्रधान व सचिव

महराजगंज। ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन में चयनित 33 ग्राम पंचायतों से जुड़े सचिव व प्रधान गांव में कराए जाने वाले विकास कार्यों की कार्ययोजना एक सप्ताह में प्रस्तुत करें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। ये निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी यावर अब्बास ने .विकास भवन सभागार में चयनित सभी ग्राम पंचायतों के सचिव व प्रधान की बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि सभी गांवों को ध नराशि भेजी जा चुकी है। ऐसे में कार्ययोजना को ध्यान देते हुए बनाया जाए। ऐसे कार्यों का चयन किया जाए जिसमें गांव की अधिक से अधि ाक आबादी का लाभ हो। निर्माण कार्य के दौरान मानक व गुणवत्ता पर भी वे नजर रखें। यदि कहीं से भी कोई समस्या हो तो जिले स्तर पर भी अवगत कराया जाए। सभी सचिव गांव में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखें तथा निर्माण कार्यों पर नजर भी बनाए रखें। थोड़ी सी चूक किसी भी कर्मी पर भारी पड़ सकती है। सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी नित्यानंद ने कहा कि गांवों में सफाईकर्मियों की नियमित उपस्थिति पर भी नजर रखी जाए। जिला समन्वयक स्वच्छता संतोष शुक्ला ने कराए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। इस दौरान सचिव योगेश, धीरु यादव, राजेश सिंह, मनोज गुप्ता, प्रियंका पटेल, विष्णुप्रिया दूबे समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे।

जागरूकता ही एड्स से बचाव का कारगर इलाजः प्राचार्य

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। मुख्यालय स्थित महारानी लाल कुंवरि स्नातकोत्तर

महाविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा एचआईवी एड्स पर एक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर जे पी पाण्डेय ने किया। गोष्ठी में एचआईवी एड्स से बचाव की विभिन्न विधियों के विषय में जानकारी दी गई। जानकारी के अनुसार 16 दिसंबर को बलरामपुर नगर क्षेत्र स्थित महारानी लाल कुंवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा एचआईवी एड्स पर एक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के उद्घाटन सत्र में छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रो. जे. पी. पाण्डेय ने कहा कि जागरूकता ही एड्स से बचाव का कारगर इलाज है। प्रोफेसर पाण्डेय ने कहा आज हम टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर एड्स के लक्षणों को आसानी से पहचान सकते हैं। उन्होंने छात्र–छात्राओं को एचआईवी एड्स के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया तथा जागरूकता पर बल दिया। गोष्ठी के मुख्य वक्ता वा प्राणि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अशोक कुमार ने संबोधित करते हुए एचआईवी एड्स के लक्षणों तथा उससे बचाव के विषय में विस्तार से जानकारी दी। गोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ आनंद बाजपेई ने एचआईवी एड्स के घटना चक्र पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा इसके रोकथाम पर बल दिया। गोष्ठी को डॉ आकांक्षा त्रिपाठी, डॉ आरबी त्रिपाठी, कुमारी मानसी पटेल आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर संतोष तिवारी, वर्षा सिंह तथा छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

पीएचसी, सीएचसी और हेल्थ वेलनेस सेंटर्स पर मना निक्षय दिवस

देवरिया। जनपद के सभी सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर निक्षय दिवस मनाया गया। ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या के सापेक्ष दस प्रतिशत मरीजों की बलगम जांच कराई गई। संभावित क्षय रोगियों की सूची के अनुसार उनकी एचआईवी और मधुमेह की भी जांच कराई गई। संभावित क्षय रोगियों की जांच, काउंसिलिंग व उपचार के लिए काउंटर तथा बैठने की व्यवस्था रही। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. सुरेंद्र कुमार चौधरी सहित अन्य ने भ्रमण किया। जिला क्षय रोग अधिकारी ने कपरवार में कहा कि क्षय रोग का उन्मूलन के लिए सबका सहयोग आवश्यक है। निक्षय दिवस से निजी चिकित्सक, अधिवक्ता, शिक्षक समेत समाज के सभी वर्गों के लोगों को जोड़ कर टीबी मरीजों को खोजना होगा। किसी के भी आसपास कोई लक्षण वाला व्यक्ति दिखता है तो उसका आत्मविश्वास बढ़ाते हुए अस्पताल तक पहुंचाएं। उसे बताएं कि टीबी का संपूर्ण इलाज संभव है।

उन्होंने कहा कि जनपद में 2831 टीबी मरीजों का उपचार चल रहा है। इलाज चलने तक मरीज को पांच सौ रुपये प्रति माह पोषण के लिए दिए जाते हैं। मरीज के लिए सिर्फ यह पोषण की रकम काफी नहीं होती है । जब मरीज को कोई मानसिक संबल देने वाला मिलता है और वह उसका नियमित ख्याल रखता है तो इलाज की राह आसान हो जाती है। इससे लोग बीमारी नहीं छिपाते हैं। एक टीबी मरीज के जांच व इलाज न कराने पर साल में 15 से 16 लोगों को टीबी संक्रमित कर सकता है। इसलिए समाज में टीबी के प्रति एक सकारात्मक माहौल तैयार करना होगा ।

प्रथम निक्षय दिवस पर 170 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों, जिला अस्पताल, सीएचसी और पीएचसी पर संभावित टीबी मरीजों के सैंपल एकत्र किए गए। जिनकी जांच के बाद टीबी मरीज चिह्नित कर उनका इलाज किया जाएगा। जिला अस्पताल स्थित क्षय रोग क्लीनिक पर डॉ. एचके मिश्रा, डॉ. विजय गुप्ता, डॉ. प्रतीक केजरीवाल ने मरीजों को जांच कराने के लिए भेजा।

चेस्ट व टीबी विभाग के असिस्टेंट प्रो. डॉ. अनुराग शुक्ला ने बताया कि पंद्रह मरीजों को बलगम जांच के लिए भेजा गया है। दिवस पर टीबी विभाग के डीपीसी देवेंद्र प्रताप सिंह, पीएमडीटी कोआर्डिनेटर चंद्र प्रकाश मणि, पीपीएम मृत्युंजय पांडेय ने स्वास्थ्य केंद्रों का भ्रमण किया।

तीन मरीजों को लिया गया गोद

निक्षय दिवस पर तीन क्षय रोगियों को गोद लिया गया। इसमें सीएचओ सोहनीपार पंकज प्रजापति, न्यू पीएचसी महुआडीह के सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइज विनय कुशवाहा, डॉ. अजीत श्रीवास्तव ने एक–एक मरीज को गोद लिया। उन्हें पौष्टिक खाद्य पदार्थ से भरा पैकेट दिया गया।

हर पंद्रह तारीख को होगा निक्षय दिवसः सीएमओ डॉ. राजेश झा ने बताया कि अब माह की पंद्रह तारीख को सीएचसी, पीएचसी और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर निक्षय दिवस मनाया जाएगा। आशा द्वारा सभी संभावित क्षय रोगियों की सूची तैयार कर संगिनी और सीएचओ के माध्यम से संबंधित वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक (एसटीएस) को उपलब्ध कराई जाएगी। क्षय रोग के इलाज, दवा, पोषण, आधारभूत संरचना और सभी संसाधनों का सरकारी तंत्र में प्रावधान है, लेकिन सफलता तभी मिलेगी जब सामाजिक और सामुदायिक सहयोग प्राप्त हो। ऐसा वातावरण तैयार करना होगा कि टीबी मरीज इस रोग को छिपाएं नहीं, बल्कि जांच कराएं। लक्षण वाले मरीजों को उनके बीच के ही लोग जांच व इलाज के लिए प्रोत्साहित करें। इलाज के दौरान मानसिक संबल प्रदान करें। ऐसा करने से टीबी का उन्मूलन संभव हो सकता है और निक्षय दिवस इसके लिए एक अच्छा प्लेटफॉर्म साबित होगा। दो सप्ताह से ज्यादा खांसी आने, बार–बार बुखार आने, भूख न लगने, रात में पसीना आने या सीने में दर्द हो रहा है तो ये टीबी के लक्षण हो सकते हैं। ऐसे में आशा कार्यकर्ता से संपर्क करें और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें। नियमित दवा का सेवन तय समय तक किया जाए तो यह पूरी तरह से ठीक हो जाती है।

विद्युत फॉल्ट से मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित, परेशान रहे मरीज

देवरिया। मेडिकल कॉलेज में विद्युत फॉल्ट होने के कारण तकरीबन डेढ़ घंटे तक स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रहीं। पैथोलॉजी जांच के लिए रजिस्ट्रेशन व रिपोर्ट तथा एक्स–रे विभाग में कार्य ठप रहा। वहीं, बिजली के आने–जाने से ओपीडी व अन्य जांच पर भी असर पड़ा। इस बीच मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वैकल्पिक इंतजाम के बाद आपूर्ति बहाल हुई।

महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में देर रात केबल फॉल्ट होने से विद्युत व्यवस्था लड़खड़ा गई। कुछ देर के लिए वार्डों में अंधेरा हो गया। जेनरेटर से आपूर्ति शुरू की गई। अस्पताल में शहर से लेकर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा बिहार प्रांत के सीमावर्ती गांवों के करीब 1,884 लोग इलाज कराने पहुंचे। ओपीडी में मरीज पहुंचने लगे, लेकिन अंधेरा था। इसके बाद जेनरेटर से सप्लाई दी गई।

इस बीच कई बार कुछ देर के लिए बिजली आ और जा रही थी। इससे लोगों को असुविधा हुई। ब्लड जांच के लिए रजिस्ट्रेशन कराने और रिपोर्ट लेने के लिए मरीजों की लाइन लग गई। यहां कार्य शुरू हुआ, लेकिन तकरीबन 12 बजे सर्वर फेल होने से ठप हो गया। कतार में खड़े लोग हो–हल्ला करने लगे। कर्मचारियों ने उन्हें शांत कराया। शुगर की जांच खाली पेट जांच के लिए लोगों को लौटना पड़ा। कुछ लोग भीड़ देखकर लौट गए।

उधर, डिजिटल एक्स–रे सेंटर में भी लोगों को इंतजार करना पड़ा। ओपीडी के पोर्टेबल डिजिटल कक्ष में भी कुछ देर तक कार्य बाधित रहा। कर्मचारियों ने पुराने फीडर से जोड़कर किसी तरह वैकल्पिक इंतजाम किया। डेढ़ बजे के बाद आपूर्ति शुरू हुई। इसके बाद कर्मचारियों तथा लाइन में खड़े मरीजों को राहत मिली।

कतार में खड़े मरीज व तीमारदार थक कर बैठे रहे जमीन परः ब्लड जांच के लिए रजिस्ट्रेशन काउंटर के बाहर लंबी लाइन लगी थी। काफी से देर से नंबर आने की प्रतीक्षा कर रहे लोग थक गए। कुछ महिलाएं व पुरुष जमीन पर बैठकर कार्य शुरू होने का इंतजार करने लगे। उन्हें बिना जांच कराए लौटने का भय भी सता रहा था, लेकिन कार्य शुरू होने के बाद उन्होंने राहत की सांस ली।

नेत्र जांच में हुई दिक्कतः नेत्र परीक्षण कक्ष में मरीजों की जांच करते समय कई बार बिजली आई और गई। इससे मरीजों को परेशानी हुई। वहीं, गड़बड़ी के कारण जांच के लिए लगे उपकरण काम नहीं कर रहे थे। एक उपकरण से जांच हो रही थी। जबकि दूसरे कर्मचारी अन्य एक कक्ष में मरीजों की जांच कर रहे थे।

प्रधानाध्यापक के हाईस्कूल व इंटर के शैक्षिक अभिलेख मिले फर्जी, बर्खास्त

देवरिया। गौरीबाजार क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर में तैनात प्रधानाध्यापक दीपक को फर्जीवाड़े की पुष्टि के बाद सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। एसटीएफ की ओर से उसके प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराया जा रहा था। साथ ही खंड शिक्षा अधिकारी को उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। वह जुलाई 2010 में नियुक्त हुआ था।

शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को लेकर जनपद लगातार शासन के रडार पर रहा है। पिछले पांच सालों के अंदर अब तक जिले के 16 ब्लॉकों के परिषदीय विद्यालयों में तैनात 65 शिक्षकों को कूटरचित प्रमाणपत्रों के आधार पर सेवा से बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका था। बीएसए हरिश्चंद्र नाथ ने बताया कि गौरीबाजार के प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर में तैनात प्रधानाध्यापक दीपक पुत्र रामसमुझ के हाईस्कूल व इंटर के शैक्षिक प्रमाणपत्र जांच में फर्जी मिले हैं। शैक्षिक दस्तावेजों के अनुसार दीपक ने माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित यूपी बोर्ड की हाईस्कूल वर्ष 1998 अनुक्रमांक 1263979 एवं इंटर वर्ष 2000 अनुक्रमांक 0669864 से प्रताप नारायन सिंह जनता इंटर कॉलेज बरही सोनबरसा, गोरखपुर से उत्तीर्ण किया है। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान प्रध ाानाचार्य, प्रताप नारायन सिंह जनता इंटर कॉलेज, बरही सोनबरसा ने अवगत कराया है कि दीपक पुत्र रामसमुझ के हाईस्कूल व इंटर के अंक व प्रमाणपत्र का विवरण विद्यालय के सारणीयन पंजिका अभिलेखों में दर्ज नहीं है। साथ ही इनके स्थानांतरण प्रमाणपत्र तथा अभिलेखों में अंकित कोई भी विवरण अंकित नहीं है।

संस्था के अभिलेखों, क्रॉस लिस्ट, स्कॉलर रजिस्टर में भी उनका नाम अंकित नहीं है। न ही कक्षा नौ में कोई स्थानांतरण प्रमाणपत्र जमा है। ऐसे में यह पुष्टि हुई है कि उक्त शिक्षक ने हाईस्कूल व इंटर के कूटरचित अंक एवं प्रमाणपत्रों के सहारे षडयंत्र करते हुए चयनित होकर नौकरी हासिल की है। उन्हें कई बार इस संबंध में नोटिस भी जारी किया गया। ऐसे में अध्यापक सेवा नियमावली एवं विभागीय नियमों के तहत दीपक को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। साथ ही बीईओ गौरीबाजार को उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

बर्खास्त शिक्षकों से वेतन की रिकवरी बन रही चुनौती

सेवा से बाहर किए गए शिक्षकों से वेतन की रिकवरी कर पाना बेसिक शिक्षा कार्यालय के जिम्मेदार अधि ाकारियों के लिए चुनौती है। पिछले पांच वर्षों में विभाग को आरोपी शिक्षकों ने 30 करोड़ रुपये से अधिक की चपत लगाई है। कई मामले ऐसे हैं, जिसमें संबंधित शिक्षक न्यायालय में चले गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि अधिकांश शिक्षकों के कोर्ट में जाने से रिकवरी कर पाने में मुश्किलें आ रहीं हैं।

विदेश भेजने के नाम पर एजेन्ट ने लिए रुपये मागने पर मारपीट पर उतारु

दैनिक बुद्ध का सन्देश

परसामालिक,नौतनवां। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत घोडहवा निवासी ओमप्रकाश पुत्र अवधराज ने उपरोक्त थाने पहुचकर एक लिखित शिकायती पत्र दिया है। जिसमे ओमप्रकाश ने लिखा है। कि मै अपने पुत्र को विदेश भेजने के लिए थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसामलिक निवासी एजेंट मुक्तार सिद्दीकी को बीते फरवरी माह मे 70000ध्हजार रुपये नगद दिये थे। परन्तु एजेंट मेरे पुत्र को विदेश नही भेजा पाया रुपया वापस मागने पर हर बार वह बहाने बाजी कर टालमटोल करता रहा। थकहार कर हम प्राथी ने बीते 17ध्9ध्2022 को उपरोक्त थाने पर एजेंट के खिलाफ एक लिखित शिकायती पत्र दिया था। पुलिस ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए एजेंट को 19ध्9ध्2022 को थाने बुलाया जहा हम दोनो मे पूर्व रहे। थानाध्यक्ष ने सुलह समझौता कराया इस दौरान एजेंट ने दिसम्बर माह मे रुपये वापस करने का लिखित सुलहनामा बनाया था। आज हम प्राथी अपनी पत्नी विगुली के साथ एजेंट के घर रुपये मागने पहुचे तो एजेंट और उसके पुत्र ने हम पति पत्नी को जातिशूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए हम दोनो को गाली गुप्ता देने का साथ मारने पीटने को दौडा लिए किसी तरह जान बचाकर थाने पहुचकर लिखित शिकायती पत्र देकर जानमाल सुरक्षा व रुपये वापस दिलवाने की मांग किया है। इस सन्दर्भ मे थानाध्यक्ष परसामलिक अमरेन्द्र कन्नौजिया ने बताया की मामला संज्ञान मे है। एजेंट व पीडित व्यक्ति को थाने बुलाया गया है। मामले की जांच कर उचित कार्यवाही किया जायेगा।

लगातार दूसरी बार एमडीआरटी यूएसए बनेः शिवम उमर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। जनपद में भारतीय जीवन बीमा निगम बांसी शाखा के अभिकर्ता शिवम उमर ने लगातार द्वितीय बार एमडीआरटी (मिलीनियर डॉलर राउंड टेबल) अहर्ता प्राप्त कर शाखा के लिए कीर्तिमान बनाया है। बताते चले कि एमडीआरटी होने पर अभिकर्ता को अंतर्राष्ट्रीय बीमा क्लब की सदस्यता प्राप्त हो जाती है एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा समारोह में भाग लेने का मौका मिलता है। बासी शाखा जैसे ग्रामीण क्षेत्र से यह कीर्तिमान अपने आप मायने रखता है। शोहरतगढ कस्बे के एक मध्यमवर्गीय में जन्मे सुनील उमर, अनिल उमर, शिवम उमर के नाम बीमा से संबंधित कई रिकॉर्ड

है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि उमर परिवार बहुत ही मेहनती, कर्मठ एवं शालीन अभिकर्ता है। शिवम उमर के पिता सुनील कुमार उमर एलआईसी के प्रतिष्ठित अभिकर्ता हैं इन्होंने नौवीं बार एमडीआरटी (यूएसए) हुए हैं । वर्तमान समय में उमर जी के परिवार में 3 सदस्य एलआईसी के सफल अभिकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं। शिवम उमर के इस सफलता पर जे एस चौहान वरिष्ठ मंडल प्रबंधक, बी एन चौधरी विपणन प्रबंधक, चारू तिवारी प्रबंधक विक्रय, विश्वजीत पांडे शाखा प्रबंधक, मार्कंडेय पाठक शाखा प्रभारी सेटेलाइट ऑफिस नौगढ़, परमात्मा राव शाखा प्रबंधक विक्रय, बी के मिश्रा सहायक शाखा प्रबंधक, सुनील कुमार उमर मुख्य बीमा सलाहकार एवं समस्त शाखा कर्मचारियों अधि ाकारियों समेत शोहरतगढ़ नगर के रवि अग्रवाल, मनीष श्रीवास्तव, उमेश प्रताप सिंह, सर्वेश कुमार खेतान कैलास पटवा, श्रवण कुमार, सौरभ गुप्ता, दीपक गौड़ आदि सैकड़ो लोगों ने बधाई दी है।

दहशत के साये में गुजरी रात, पड़ोस में फिर दहाड़ा तेंदुआ

महराजगंज। तेंदुए के हमले से भयभीत नौतनवां थाना क्षेत्र के रामनगर गांव के मरचहवा टोले के लोग रात चौन से सो नहीं सके। शाम से ही घर में दुबके लोग देर रात तक एक–दूसरे को फोन कर हालचाल लेते रहे। गांव में पूरी तरह से सन्नाटा पसरा रहा। इन सबके बीच, तेंदुआ पड़ोस के पुरैनिया टोले में पहुंच गया। जानकारी मिलते ही गांव के लोगों ने जगह–जगह आग जलाई और शोर मचाकर तेंदुए को भगाने का प्रयास करते रहे। सुबह तेंदुए के पद चिह्न देख उसके जंगल की ओर चले जाने का अनुमान लगाया गया।

जानकारी के मुताबिक, मरचहवा टोले में शाम से ही लोग घरों में दुबक गए। बच्चे और महिलाओं ने तो झपकी ली, लेकिन पुरुषों ने पूरी रात जागकर गुजारी। उधर, रात करीब 11रू30 बजे तेंदुआ पुरैनिया टोले में किसमती देवी के घर सामने दिखा। वहां वह आराम से बैठा था। थोड़ी दूरी पर टिन शेड में बुजुर्ग फूला देवी सोई हुई थी। इसी दौरान मरचहवा के विनय उधर से गुजरे तो टॉर्च की रोशनी में थोड़ी दूरी पर तेंदुआ बैठा दिखा।

वह चुपके से सबको घर के अंदर ले गए और फाटक बंद कर शोर मचाने लगे। शोर सुनकर तेंदुआ दहाड़ते हुए अंधेरे में गुम हो गया। तेंदुए के आने की सूचना पाकर गांव के लोगों ने शोर मचाकर और आग जलाकर उसे भगाने का प्रयास किया। सुबह घर सामने तेंदुए का विष्ठा दिखा। चंद्रावती, सीमा ने बताया कि तेंदुए के जाने के बाद भी लोगों में भय व्याप्त रहा। रातभर लोग सो नहीं पाए।

पांच घंटे चला तलाशी अभियान, हाथ नहीं आया तेंदुआ

महराजगंज। मरचहवा टोले में किसानों पर हमले के बाद तेंदुआ डूडी नाले में छिप गया था। वन कर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन तेंदुए का पता नहीं लगा पाए। शाम में छह बजे डीएफओ पुष्प कुमार कांधला मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। रात 11 बजे तक तेंदुए की तलाश होती रही, लेकिन उसका सुराग नहीं मिला। एसडीएम दिनेश मिश्रा ने बताया कि वन कर्मियों की टीम तेंदुए की तलाश में लगी हुई है। उन्होंने गांव के लोगों से सचेत रहने और घर से अकेले न निकलने की अपील की है।

खेत में काम करने नहीं पहुंचे किसान

महराजगंज। किसानों पर तेंदुए के हमले के बाद मचरहवा टोले में सन्नाटा पसरा रहा। लोग अपने घर में दुबके रहे। किसान भी खेत में काम करने नहीं गए। टोला निवासी आलमगीर ने बताया कि घर से बाहर निकलने में डर लग रहा है। किसान नर्वदा दूबे, अर्जुन ने कहा कि खेत की तरफ जाने की हिम्मत नहीं हो रही है। पता नहीं कब तेंदुआ हमला कर दे।

चार घायलों को मिली छुट्टी, दो का चल रहा इलाज

महराजगंज। मरचहवा टोले में दोपहर तेंदुए के हमले में घायल छह किसानों में चार अस्पताल से घर चले आए, जबकि दो का इलाज चल रहा है। उनकी सेहत ठीक है। तेंदुए के हमले में घायल फुरतल्ली और बरखु जिला अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत में सुधार हो रहा है। उधर, रतनपुर सीएचसी में भर्ती मुन्नर, साधु सहानी, खुशलैन निशा, रंजीत को छुट्टी मिल गई है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अखिलेश यादव ने बताया कि घायलों को जरूरी दवा की गई है। कुछ दिन दवा खाने और मरहम पट्टी कराने के बाद घाव भर जाएंगे। अस्पताल से लौटने के बाद घर पर आराम कर रहे साधु ने कहा कि जान बच गई यही बहुत है। घाव तो भर जाएंगे। उधर, गांव पहुंचे कानूनगो रसीद खां तथा लेखपाल अनुराग कुमार ने घायल साधु सहानी व अन्य से जानकारी ली।

नौ बोरी यूरिया बरामद

नौतनवां। पुलिस ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान डंडा नदी पुल के पास से नौ बोरी यूरिया बरामद कर कार्रवाई के लिए नौतनवां कस्टम को सौंप दिया। नौतनवां थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के डंडा नदी पुल के पास पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान कुछ लोग यूरिया लेकर नेपाल की तरफ जा रहे थे। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो यूरिया छोड़ कर फरार हो गए। मौके पर नौ बोरी यूरिया बरामद हुई।

पुरस्कार वितरण के साथ हिण्डाल्को में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

रेणुकूट,सोनभद्र। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिण्डाल्को में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन पूरे जोश के साथ किया गया। इस दौरान कर्मचारियों, परिवार की महिलाओं एवं विद्यार्थियों के लिए एनर्जी मॉडल, पेन्टिंग, एनर्जी क्विजद्य जैसी कई रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया साथ ही म्योरपुर स्थित आदित्य बिड़ला रूरल टेक्नोलॉजी पार्क के सभागार में आस–पास के ग्रामीणों के लिए ऊर्जा संरक्षण जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे सप्ताह तक चले कार्यक्रमों का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि हिण्डाल्को प्रोजेक्ट डिवीजन के संयुक्त अध्यक्ष श्री विनोद ठाकुर ने पेन्टिंग प्रतियोगिता के विजेता केसरी देवी कनोरिया विद्यामंदिर, आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल एवं आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कॉलेज के विद्यार्थियों को ट्रॉफियां प्रदान कर सम्मानित किया साथ ही अन्य प्रतियोगिताओं के प्रतिभागीयों को भी सम्मानित किया। सभी को ऊर्जा बचत के लिए प्रोत्साहित करते हुए ठाकुर ने कहा कि ऊर्जा उत्पादन में हमारे प्राकृतिक संसाधनों का सर्वाधिक उपयोग होता है और ये सभी प्राकृतिक संसाधन चाहे वो कोयला हो या कच्चा तेल सभी के भण्डार बहुत सीमित है और यदि हम इनका समझ–बूझ

के साथ इस्तेमाल नही करेंगे तो कुछ वर्षों बाद जब इनके भण्डार समाप्त होने लगेंगे तो हमारे आने वाली पीढ़ी का जीवन बहुत ही कठिन होगा। उन्होंने कहा कि ऊर्जा बचत के साथ ही हमें रिन्यूएवल एनर्जी के उत्पादन की तरफ ज्यादा से ज्यादा ध्यान देना होगा जिससे कि हम अपने मूल्यवान प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित कर अपने आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित कर सकें। इसी क्रम में वरिष्ठ अधिकारी सौरभ श्रीनेत्र ने कहा कि पूरे विश्व में जनसंख्या तेजी से बढ़ती जा रही है और साथ ही ऊर्जा की मांग भी बढ़ रही है। हमें सबसे पहले अपने घर से शुरुआत करते हुए अपने घरों में अनावश्यक बिजली, पानी का उपयोग रोकने की आदत डालनी होगी जिससे की ऊर्जा की बचत हो सकेगी। कार्यक्रम के प्रारंभ में हिण्डाल्को एनर्जी सेल के राजीव सिंह ने सभी को ऊर्जा संरक्षण की शपथ दिलाई तथा दीना जायसवाल ने ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों का चलचित्र के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन एनर्जी सेल के रजनीश सिंह के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिकारी विभव उपाध्याय, कैलाश प्रधान, हंसराज, राजीव झुनझुनवाला, समीर देशाई, गोपाल राठौड़, पॉल गुप्ता सहित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी, आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल एवं इण्टरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य क्रमशः डेफनी अंगर एवं दयानंद शुक्ला सहित अन्य विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकायें उपस्थित रहे।

एलडीएम ने राबर्ट्सगंज नगर मे प्रभात फेरी कर गिनाई बैंक की उपलब्धियाँ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। इंडियन बैंक मिर्जापुर के अंचल प्रमुख कमलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह प्रभात भेरी आज मुख्य शाखा रॉबर्ट्सगंज से शुरू होकर मुख्य बाजार से होकर महिला थाना से लेकर मुख्य शाखा रॉबर्ट्सगंज पहुच कर समाप्त किया गया। इंडियन बैंक द्वारा दिनांक 31.12. 2022 तक ष्कांसा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में इंडियन बैंक मिर्जापुर के अंचल प्रमुख कमलेश कुमार सिंह ने बताया कि इंडियन बैंक की शाखाओं में सैलरी खाता खुलवाने पर खताधारक को 30 लाख तक का दुर्घटना बीमा दिया जा रहा है और साथ ही अन्य सुविधाए जैसे एटीएम कार्ड,चेकबुक इत्यादि निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है,साथ ही क्रेडिट कार्ड एव लाकर की सुविधाएं भी उपलब्ध है। वही व्यापारी बन्धुयो के लिए चालू खातों के लिए न्यूनतम जमाधनराशि मात्र 5000 से प्रारंभ है पीओएस मशीन एवं क्यू आर कोड की सुविधा त्वरित उपलब्ध की जाएगी। इस अवसर पर सोनभद्र के अग्रणी जिला प्रबंधक अरुण कुमार पाण्डेय मुख्य शाखा प्रबंधक रितेश कुमार मंडल कार्यालय के मुख्य प्रबंधक मृत्युंजय विवेक कचहरी रोड शाखा प्रबंधक सतीश कुमार मधुपुर शाखा प्रबंधक संतोष कुमार सिंह व अन्य अधिकारी प्रतिभाग लिया।

कैशलेस चिकित्सा बीमा के विरोध में जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बाराबंकी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के नेतृत्व में कैशलेस चिकित्सा बीमा के विरोध में संगठित होकर शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी महोदय को सौंपा प्रदर्शन के

दौरान शिक्षकों में सरकार के दोहरे रवाइये से काफी आक्रोश दिखा मुख्यमंत्री ने दोबारा सरकार बनते ही शिक्षकों को 100 दिन के अंदर निःशुल्क कैसे लेश चिकित्सा बीमा उपलब्ध कराने की घोषणा की थी परंतु प्रीमियम चिकित्सा युक्त बीमा दिया जा रहा है जो शिक्षकों के साथ एक छलावा है। महासंघ के जिला अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा शिक्षकों के लिए जो कैशलेस चिकित्सा बीमा जारी किया गया है!जिसकी वार्षिक प्रीमियम 18000 से लेकर 76000 तक है। निजी कंपनियों द्वारा यह बीमा आधे दामों में उपलब्ध है जबकि राज्य कर्मचारियों को चिकित्सा बीमा निरूशुल्क दिया जा रहा है। चिकित्सा प्रीमियम युक्त बीमा कतई बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा प्रीमियम युक्त चिकित्सीय बीमा वापस लेकर निःशुल्क कैशलेस चिकित्सा बीमा उपलब्ध नहीं कराया जाएगा तो महासंघ वृहद आंदोलन के लिए बाध्य होगा। आज के प्रदर्शन में मुख्य रूप से शैक्षिक महासंघ के महामंत्री संतोष वर्मा,कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा, कोशे कोषा अध्यक्ष विवेक गुप्ता प्रांतीय कोषाध्यक्ष और संगठन मंत्री,पवन शंकर दीक्षित, यूटा के जिलाध्यक्ष आशुतोष, अटेवा के जिला संयोजक अमित वर्मा,विजय प्रताप सिंह पर्यावरण प्रेमी, जिला मीडिया प्रभारी अतुल दिवाकर, अंकित वर्मा, विनोद कुमार वर्मा, नीरज श्रीवास्तव, आदर्श त्रिपाठी एस.सी.एस.टी. जिला अध्यक्ष रामकिशुन, आदर्श त्रिपाठी, अभिषेक नाग, राजू श्रीवास्तव, अरुण वर्मा आदि तमाम शिक्षक उपस्थित रहे।

वोटिंग प्रक्रिया से हुआ अंजुमन कमेटी बभनी के सदर चुनाव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बभनी,सोनभद्र। विकास खण्ड बभनी के ग्राम पंचायत बभनी में चुनाव प्रक्रिया से इस बार सदर का चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें चुनाव कराने के हेतु तीन सदस्यीय कमेटी का गठन विगत शुक्रवार को सर्व सम्मति से किया गया था जिसमें हांजी कुतुबुद्दीन ऐबक, शमसेर खघन, सईद अहमद रहे जिनके देख देख में आज सदर का चुनाव सम्पन्न हुआ। इस सम्बन्ध में हांजी कुतुबुद्दीन ऐबक ने बताया कि बभनी में पहली बार चुनाव प्रक्रिया से सदर का चुनाव कराया गया जिसमें दो लोगों ने सदर पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल

किया था मु० असलम व मु०अख्तर खान जिसका चुनाव प्रक्रिया आज सम्पन्न हुआ जिसमें कुल 242 मतदाताओं ने मतदान किया जिसमें 05 अवैध मत रहा तथा मु० असलम को 216 मत प्राप्त हुआ व मु० अख्तर खान को 21 मत प्राप्त हुआ जिसमें की मु०असलम 195 मत से विजय घोषित किया गया चुनाव प्रक्रिया को सकुशल संपन्न कराने हेतु मय फोर्स थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह मौजूद रहे। इस दौरान हांजी तबीब, ग्यासुद्दीन, पूर्व सदर अब्दुल कुदुश, सुहैल, नौजवान कमेटी के सदर महमूद (पप्पू) अजीजुद्दीन, पंजतन, सलाहुद्दीन, महबूब खान, नसीम, इकबाल, निजामुद्दीन, मु०हुसैन, जमील, उमर, एजाज नौशाद मुस्तफा, अमान, शाहिन, मेराज, नूरैन आलम सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

बढ़ती ठंड को देख अलाव जलाने की मांग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बीजपुर,सोनभद्र। विकास खण्ड म्योरपुर के न्याय पंचायत के विभिन्न ग्राम सभाओं के चट्टी–चौराहों पर दिसम्बर माह के 16 दिन गुजर जाने के बाद भी राहगीरो को ठंड से निजात दिलाने के लिए अभी तक अलाव की कोई भी व्यवस्था नहीं की गई ही। ग्रमीणों की बात पर गौर करे तो न्याय पंचायत जरहां के ग्राम सभा सिरसोती, बीजपुर, डोडहर, नेमना, रजमिलान, पिंडारी, अंजानी, झीलों, खम्हरिया आदि ग्राम सभाओं के चट्टी–चौराहों पर ठंड को देखते हुए अभी तक संबंधितों द्वारा कोई भी कदम नही उठाया गया है। जबकि ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे समय मे ही अलाव की आवश्यकता है। ग्रामीण संदीप राय, विशाल गुप्ता, नीरज कुमार, मनोज कुमार, विजय सोनी, बी सी त्रिपाठी, दिनेश आदि ने संबंधित विभाग से शीघ्र ही इस दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग की है ताकि राहगीरों को ठंड से राहत मिल सके।

चित्रकार शिविर के माध्यम से चित्रकला प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बाराबंकी। परमेश्वर इंटर कॉलेज छेदा बाराबंकी में कॉलेज के सुंदरीकरण हेतु राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश, आद्विका ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश, चित्रकला विभाग साईं पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में एक चित्रकार शिविर का आयोजन किया गया!जिसका सुभारम्भ कालेज के प्रबंधक राम सागर वर्मा,प्रधानाचार्य वीरेश चंद्र एवं वरिष्ठ कलाकार विनोद सिंह ने सरस्वती मां के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस शिविर में कालेज की दीवारों पर विभिन्न संस्थानों से आए कलाकार अपने भावों को उकेरेंगे जिसमें सामाजिक शैक्षिक राजनैतिक कला एवं विज्ञान प्रगति एवं पर्यावरण इत्यादि विषयों को शामिल किया गया है। जहां कलाकार इन विषयों पर आधारित चित्र बनाकर छात्र–छात्राओं एवं आने वाले समस्त अभिभावक एवं अतिथियों को संदेश देंगे वहीं स्कूली छात्र छात्राओं को कला की बारीकियों से परिचित कराते हुए प्रशिक्षण भी प्रदान करेंगे। इस चित्रकार शिविर के संयोजक विनोद सिंह ने बताया कि यह शिविर 19 दिसंबर तक चलेगा जिसमें कलाकारों द्वारा चित्रांकन कार्य के साथ ही कला प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस शिविर में मुख्य कलाकार के रूप में राजकुमार, (कला शिक्षक साईं पीजी कॉलेज) एवं आराधना वर्मा, मुस्कान मिश्रा, निशी जोशी, अपूर्वा,उमा, रीना, अंजू ,आकांक्षा, अंशिका, सत्य प्रकाश, धनपाल, रवि वर्मा, सावनी, मोहिनी, काजल वर्मा, पल्लवी,सौम्या, अनु, पूजा, प्रियंका, पायल, नीलम सहित सैकड़ों प्रशिक्षु कलाकार शामिल है। इस अवसर पर नीरज वर्मा, जयकरन वर्मा, योगेश शर्मा, अमिता वर्मा, प्रमोद सिंह, ललिता सिंह, सीमा वर्मा सहित कई शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

द्रुत कार्यबल डी/91 वाहिनी की टीम स्थानीय पुलिस बल के साथ किया भ्रमण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। गृह मंत्रालय भारत सरकार के अधीन द्रुत कार्यबल कमांडेंट अमिताभ कुमार के दिशा निर्देश में जनपद में परिचितिकरण का विशेष अभियान चल रहा है। जिसके क्रम में शुक्रवार को थाना प्रभारियों के साथ चोपन जुगैल और ओबरा क्षेत्र का फ्लैग मार्च व

भ्रमण किया गया। स्थानीय क्षेत्रों के बारे में आवश्यक जानकारी भी ली गई। स्थानीय रहन सहन, सुरक्षा, क्षेत्र के दुर्गम और दुरुह क्षेत्रों का जन जीवन के अलावा अन्य विषयों पर चर्चा की गई। बता दें कि गृह मंत्रालय भारत सरकार के अधीन द्रुत कार्यबल डीध 91वाहिनी की टीम द्वारा विशेष भ्रमण का कार्यक्रम चल रहा है। मौके से आरएएफ कमांडर प्रेम सिंह,सहायक कमांडर इंस्पेक्टर अमित कुमार दुबे, इंस्पेक्टर सुरेंद्र पटेल के साथ ही थाना प्रभारीगण रहे।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

पूर्व जिला पंचायत रानी फकनौजिया की दुर्घटना में मृत्यु

हृदय विदारक घटना से क्षेत में शोक की लहर व्याप्त

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बाराबंकी। हैदर गढ़ की पूर्व जिला पंचायत रानी कनौजिया तीर्थ यात्रा पर देवी देवताओं के दर्शनार्थ हेतु गई थी। सूत्रों के मुताबिक कौशांबी जिले के थाना कड़ा गांव के अंतर्गत अज्ञात डंपर की टक्कर से रानी कनौजिया समेत एक और महिला की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि बोलेरो वाहन पर सवार थी। अचानक सामने से टक्कर लग जाने के कारण ड्राइवर घायल हो गया और दोनों महिलाओं की तत्काल मौत हो गई। आनन–फानन में निकट हॉस्पिटल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने दोनों महिलाओं को मृत घोषित कर दिया। ड्राइवर का इलाज चल रहा है। रानी कनौजया क्षेत्र में एक नेत्री के रूप में कई वर्षों से कार्य कर रही थी। उन्होंने कई बार चुनाव में स्टार प्रचारक के रूप में भी कार्य किया। कई बार जीती भी। इस घटना को सुनते ही क्षेत्र में सनसनी और शोक की लहर व्याप्त हो गई। भाजपा की समर्थक भी रही क्षेत्र के लोगों से उनका बड़ा ही लगाव रहता था गरीबों की सेवा या उनकी मदद करना उनका मुख्य सेवा भाव था। उनकी छति को पूरा करना असंभव ही नहीं नामुमकिन रहेगा। उनका निज निवास भिखरा था किंतु हैदर गढ़ नगर वासियों क्षेत्र वासियों के बीच में रहने के लिए उन्होंने मेन चौराहा राजू लस्सी के बगल में अपना निवास बना लिया था। और वह नगर निकाय होने वाले चुनाव में चेयरमैन पद की उम्मीदवार भी थी।

कानून शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिये रुट मार्च

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन

में जनपद में शांतिध्कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु थाना ओबरा पुलिस द्वारा रैपिड एक्शन फोर्स के साथ कस्बा ओबरा में रुट मार्च किया गया। इस दौरान सड़क किनारे अवैध अतिक्रमण के सम्बंध में सम्बंधित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये। रुट मार्च करते हुए आमजन से संवाद स्थापित कर सुरक्षा के दृष्टिगत प्रमुख सर्राफा दुकानों के मालिकों से वार्ता की गयी एवं इस दौरान चौराहों, मार्केट, भीड़–भाड़ वाली जगहों आदि पर संदिग्ध व्यक्तियोंध वाहनोंध्वस्तुओं की गहनता से चेकिंग की गई। इस दौरान उप जिलाधिकारी ओबरा राजेश सिंह, क्षेत्राधिकारी ओबरा शंकर प्रसाद, अधिशासी अधिकारी अमित कुमार, प्रभारी निरीक्षक ओबरा मिथिलेश मिश्रा, चौकी प्रभारी कस्बा ओबरा अमित कुमार त्रिपाठी तथा पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

चंदन का तेल होता है कई औषधीय गुणों से भरपूर, जानिए इससे मिलने वाले 5 फायदे

सबसे ज्यादा खुशबूदार तेलों में से एक चंदन का तेल सदियों से आयुर्वेदिक चिकित्सा में एक प्रमुख सामग्री रहा है। पारंपरिक भारतीय रीति–रिवाजों में व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले इस एंटी–सेप्टिक तेल में हल्की मिट्टी की खुशबू होती है। यह प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले रासायनिक यौगिकों से भरपूर होता है जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं। आइए आज चंदन के तेल से होने वाले पांच फायदे जानते हैं।

तनाव और चिंता को कम करने में है मददगारः चंदन का तेल तनाव और चिंता जैसे मानसिक विकारों से राहत दिलाने में मदद करता है। इसमें मौजूद अल्फा सैंटालोल तत्व चिंता और तनाव जैसी समस्याओं को कम करके मन को शांत करने और भावनाओं को नियंत्रण में रखने में मदद करता है। इसके लिए आप अपनी एडियों या कलाई पर चंदन का तेल लगा सकते हैं और इसे सीधे सूंघ भी सकते हैं। यह आपकी नींद की गुणवत्ता में भी सुधार करता है।

त्वचा की समस्याओं से दिलाता है राहतः एंटी–ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर चंदन का तेल आपकी त्वचा की देखभाल करके इसे स्वस्थ और चमकदार बनाने में सहायक है। यह शरीर से फ्री रेडिकल्स और ऑक्सीडेटिव क्षति को कम करता है। इसके अलावा एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर यह तेज आपकी त्वचा को आराम देता है और दाने और मुंहासों को आने से रोकता है। यह तेल दाग–धब्बों, झुर्रियों और महीन रेखाओं के खिलाफ भी प्रभावी है और उम्र बढने के संकेतों से लड़ता है।

दांतों की करता है रक्षा

चंदन के तेल में ऐसे कई गुण होते हैं जो मुंह में कैविटी पैदा करने वाले बैक्टीरिया के विकास को रोकने में मदद करते हैं और आपके दांतों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। यह आपके मुंह को साफ करने में मदद करता है, मसूड़ों से खून आने का इलाज करता है और मुंह में मामूली घावों को भी ठीक करता है। चंदन का तेल आपके मसूड़ों को भी मजबूत करता है।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मददगार

चंदन के तेल में हाइपोटेंशन एजेंट होता है जो सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह हृदय संबंधित बीमारियों के विकास के जोखिम को भी कम करता है। इस तेल में एक खास सुगंध पाई जाती है जिससे शरीर के कई जरूरी हार्मोन्स को सक्रिय रखने के साथ–साथ ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी काफी मदद मिलती है, इसलिए चंदन के तेल का इस्तेमाल जरूर करें।

बालों की समस्याओं से दिलाता है राहत

चंदन के तेल में एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं जो बालों के झडने और डैंड्रफ जैसी बालों की समस्याओं का इलाज करने में मदद करते हैं। यह आपके बालों को मुलायम, चिकना, चमकदार और स्वस्थ बनाता है। इसके अलावा यह सिर में अतिरिक्त सीबम उत्पादन को रोकता है, दोमुंहे बालों का इलाज करता है और आपके बालों में नमी लाता है। इसके इस्तेमाल से आपके स्कैल्प को आराम मिलेगा और आपको बालों के विकास में भी मदद मिलेगी।

बैकलेस ड्रेस में रिया चक्रवर्ती ने दिए ऐसे पोज, नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती आए दिन अपनी बोल्ड और स्टनिंग लुक्स से फैंस के बीच छाई हुई रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की है जिसमें रिया चक्रवर्ती बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही

हैं। रिया चक्रवर्ती हर वक्त फैंस के बीच अपने हुस्न के जलवे बिखेरने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती बेहद ही खूबसूरत और हॉट नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती हमेशा अपने हर अंदाज से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींचती हुई नजर आती हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी एक बार कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती का फैशन सेंस हमेशा से ही कमाल का रहता है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रिया ने ब्लैक कलर की बैकलेस ड्रेस पहनी हुई है जिसमें वो सुपर बोल्ड लुक्स देती हुई नजर आ रही हैं। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है।

सेल्फी से सामने आया अक्षय कुमार का नया लुक

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म सेल्फी अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। अक्षय ने अपने लुक की झलक दिखाते हुए फिल्म के सेट से एक तस्वीर साझा की है। सोशल मीडिया पर शेयर की गई इस तस्वीर में अभिनेता रंग–बिरंगे फॉक्स फर कोट में पोज देते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने यह तस्वीर साझा करते हुए फिल्म और अपने मंत्र के बारे में जानकारी दी है।

अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा करते हुए अभिनेता ने लिखा, आज के लिए मेरा मंत्र – गर्मी, नमी और फॉक्स फर. ..सब चलेगा, बस काम कर, काम कर। फिल्म सेल्फी के लिए मस्त नए गाने की शूटिंग कर रहा हूं। आप सभी से 24 फरवरी को सिनेमाघरों में मुलाकात होगी। अभिनेता की इस पोस्ट पर फैंस के साथ–साथ सेलेब्स भी कमेंट कर रहे हैं। वरुण धवन ने लिखा, मस्त दिख रहे हो सर। वहीं सनी सिंह ने दिल वाले इमोजी बनाए।

फिल्म सेल्फी में अक्षय के साथ इमरान हाशमी, डायना पेंटी और नुसरत भरूचा जैसे सेलेब्स मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। राज मेहता के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में पहली बार अक्षय और इमरान की जोड़ी एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाली है। बता दें कि यह फिल्म साल 2019 में आई मलयालम ब्लॉकबस्टर ड्राइविंग लाइसेंस की आधिकारिक रीमेक है, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमार और सूरज वेंजारामूडु ने अभिनय किया था।

साल 2022 में अक्षय की पांच फिल्मों ने दर्शकों का मनोरंजन किया। इनमें से चार फिल्में सिनेमाघरों में और एक फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई। सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली फिल्में– सम्राट पृथ्वीराज, बच्चन पांडे, रक्षा बंधन और राम सेतु बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुईं। वहीं, ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली फिल्म कठपुतली दर्शकों को पसंद आई। बता दें कि इस फिल्म में अक्षय के साथ रकुल प्रीत सिंह, चंद्रचूर सिंह और सरगुन मेहता थे। सेल्फी के अलावा अगले साल अक्षय की कई फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं। अक्षय, महेश मांजरेकर की मराठी फिल्म में छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभाते नजर आएंगे। अभिनेता, टाइगर श्रॉफ और गोरखा के साथ बड़े मियां छोटे मियां में भी दिखाई देने वाले हैं। इसके अलावा अक्षय, ओह माय गॉड 2 को लेकर भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। ऐसी चर्चा है कि फिल्म में अक्षय भगवान शंकर का किरदार निभाने वाले हैं।

अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने जिम ट्रेनर शाहनवाज शेख से रचाई शादी

साथ निभाना साथिया फेम अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने जिम ट्रेनर और बॉयफ्रेंड शाहनवाज शेख के साथ शादी रचा ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते हुए शादी की

खुशखबरी दी है। उन्होंने एक निजी समारोह में मुंबई में सात फेरे लिए हैं। शादी के बाद वह एक रिसेप्शन आयोजित कर सकती हैं। इसमें उनके करीबी लोगों और दोस्तों को आमंत्रित किया जाएगा। फैंस सोशल मीडिया पर देवोलीना को शुभकामनाएं दे रहे हैं।

देवोलीना ने तस्वीरें शेयर करते हुए अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मैं गर्व के साथ कह सकती हूं कि मैं शोनू की हो गई हूं। चिराग लेकर भी ढूढ़ती तो तुझ जैसा नहीं मिलता। तुम मेरे सभी दर्द और प्रार्थनाओं का जवाब हो। आई लव यू शोनू। हमें अपनी प्रार्थनाओं में रखिएगा और आशीर्वाद बनाए रखिए। तस्वीरों में देवोलीना और शाहनवाज काफी खुश दिख रहे हैं। देवोलीना बिग बॉस 13 और बिग बॉस 15 में भाग ले चुकी हैं।

शादियों में दुल्हन इन 5 फुटवियर्स को बना सकती हैं अपने स्टाइल का हिस्सा

दुल्हन के सभी सामानों के साथ फुटवियर्स का भी अहम महत्व होता है। इसके चयन में रही थोड़ी सी कमी शादी के लुक को फीका कर सकती है। फुटवियर्स चुनते समय इस बात का ध्यान कि वे आरामदायक होने के साथ शादी की पोशाकों से भी मेल खाते हों। ऐसे में पारंपरिक जूतियों से लेकर ब्लॉक हील्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाया जा सकता है। आइए जानते हैं कि शादियों में दुल्हन किन फुटवियर्स को आजमा सकती है।

जूतियांः जूतियां आरामदायक होने के साथ आपके पारंपरिक लुक में एक सुंदर आकर्षण जोड़ सकती हैं। पारंपरिक पोशाकों के साथ एंब्रॉइडरी, शिमरी या शीशे लगी जूतियों का भी चयन किया जा सकता है। आजकल चमकीले रंगों में घुंघरू लगी जूतियों की भी काफी ज्यादा मांग हैं। इन्हें सलवार–सूट, अनारकली और पटियाला सूट, स्ट्रेट पैंट, कुर्ता सेट आदि के साथ भी पहना जा सकता है।

वेजीसः फुटवियर में लंबाई के साथ आराम के लिए वेजीस का चयन करना सबसे अक्लमंद फैसला हो सकता है। स्टिलेटोस और पेंसिल हील्स की तुलना में वेजीस पैरों के लिए ज्यादा सही रहती हैं। ये स्टाइलिश और ट्रेंडी भी लगती हैं। ऐसे में दुल्हनें शादी के दिन या रिसेप्शन के लिए वेजीस को चुनाव कर सकती हैं। ये लहंगे, साड़ी और सूट सभी के साथ खूब जंचती हैं।

ब्लॉक हील्सः ब्लॉक हील्स आरामदायक होने के साथ–साथ सोबर लुक भी देती हैं। पारंपरिक पोशाकों के अलावा ये सेमी–फॉर्मल पोशाकों के साथ काफी अच्छी लगती हैं। स्ट्रैपी, क्लोज–टो, शॉर्ट या हाई–ब्लॉक हील्स में से किसी को भी चुना जा सकता है। हर दुल्हन के पास काले रंग की ब्लॉक हील्स जरूर होनी चाहिए। ये ज्यादातर पोशाकों से मेल खाएगी और लुक भी बेहतर मिलेगा।

पंप हील्स

सबसे ट्रेंडी फुटवियर विकल्पों में से एक पंप्स हील्स भी कई तरह की पोशाकों पर अच्छी लगती हैं। ये वेस्टर्न पोशाकों के साथ अच्छी लगने के साथ ही पुट–अप लुक भी देती हैं। ब्लिंगी रोज गोल्ड, बेज या ब्लश पिंक रंग में स्टिलेटो पंप हील्स को चुनना समझदारी भरा फैसला हो सकता है। लेस पंप हील्स को भी चुना जा सकता है, जो बेहद स्टाइलिश दिखती हैं। आजकल एंब्रॉइडरी पंप हील्स भी काफी चलन में हैं।

ब्रॉड–स्ट्रैप्ड फ्लैट्स

अगर आप ऊंची हील्स में सहज महसूस नहीं करती हैं तो फ्लैट्स आपके लिए आदर्श फुटवियर हैं। ये आरामदायक होने के साथ शादी के दौरान पूरे दिन पहनने के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। पारंपरिक पोशाकों के साथ सेमी–फॉर्मल और फॉर्मल सूट पर न्यूट्रल रंग के ब्रॉड–स्ट्रैप्ड फ्लैट्स की जोड़ी को चुना जा सकता है। इससे आपको बेहतरीन लुक मिल सकता है।